प्रयागराज, रविवार 22 जून 2025 से 28 जून 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-25
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में योग किया:बोले- तनाव से गुजर रही दुनिया के लिए योग पॉज बटन जैसा; 191 देशों में 1,300 जगह कार्यक्रम

नयी दिल्ली/विशाखापत्तनम। दुनियाभर में शनिवार को 11वां योग दिवस मनाया

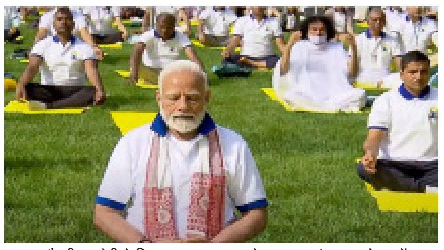

जा रहा है। पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि योग का मतलब होता है- जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति, तनाव और अस्थिरता बढ़ रही है, तो योग शांति की दिशा दिखाता है। यह 'पॉज बटन' जैसा।पीएम के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने भी योग किया। इस बार की योग की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1,300 जगहों पर 2,000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए।पीएम मोदी ने कहा- आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं।पीएम ने कहा कि अभी नेवी के जहाज में भी योगा कार्यक्रम चल रहा है। चाहे ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों या एवरेस्ट की चोटियां या समुंदर का विस्तार हो एक ही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है।पीएम ने कहा कि साथियों दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है। योग उस 'पॉज बटन' की तरह है जिसकी इंसानियत को जरूरत है- ताकि हम रुक सकें, सांस ले सकें, संतुलन बना सकें और फिर से खुद को पूर्ण महसूस कर सकें।पीएम ने कहा कि योग को सिर्फ पर्सनल प्रेक्टिस न बनाएं बल्कि ग्लोबल पार्टनरशिप का माध्यम बनाएं। योग को लोकनीति का हिस्सा बनाएं। जब जनता लक्ष्य को थाम लेती है तो उस लक्ष्य की प्राप्ति से हमें कोई रोक नहीं पाता। आपके प्रयास यहां इस आयोजन में नजर आ रहे हैं। 'मी टु वी' का भाव भारत की आत्मा का साथ है।पीएम ने कहा कि भारत विश्व में योग के प्रसार के लिए योग के साइंस को आधुनिक रिसर्च से विस्तृत कर रहा है। हम योग के क्षेत्र में प्रमाण आधारित थेरेपी को भी बढ़ावा दे रहे हैं। इस दिशा में दिल्ली एम्स ने सराहनीय काम किया है। आज 'हील इन इंडिया' का मंत्र भी दुनिया में काफी पॉपुलर हो रहा है। भारत बेस डेस्टिनेशन बन रहा है। योग की इसमें बड़ी भूमिका है। योग के लिए कॉमन प्रोटोकॉल बनाया गया है।इसी के साथ आंध्र प्रदेश सरकार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। प्रोग्राम में 50 लाख से ज्यादा योग प्रमाणपत्र भी बांटे गए। आंध्रप्रदेश सरकार ने भी योग आंध्र अभियान शुरू किया है। इसका मकसद है राज्य में 10 लाख लोगों का रोजाना योग करने वाली कम्युनिटी बनाना है।इस साल के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम है- 'एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योग'। यह थीम एक गहरी सच्चाई को दर्शाती है: धरती पर मौजूद हर चीज का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। मनुष्य की भलाई उस मिट्टी की सेहत पर निर्भर है जिसमें हमारा भोजन उगता है, उन नदियों पर निर्भर है जो हमें पानी देती हैं, उन जानवरों पर जो हमारे इकोसिस्टम का हिस्सा हैं, और उन पेड़-पौधों पर जो हमें पोषण देते हैं। योग हमें इस आपसी जुड़ाव का एहसास कराता है, हमें दुनिया से एकात्मता की ओर ले जाता है और सिखाता है कि हम अकेले अस्तित्व में नहीं हैं, हम प्रकृति का हिस्सा हैं।पीएम ने कहा कि आज मैं योग दिवस पर ओबेसिटी की तरफ सभी का ध्यान दिलाना चाहूंगा। बढ़ती ओबेसिटी दुनिया के लिए चैलेंज है। मैंने मन की बात में भी इस पर विस्तार से चर्चा की थी। मैंने अपने खानपान में 10 फीसदी ऑयल कम करने का प्रस्ताव रखा था।

आइए हम योग को एक जन आंदोलन बनाएं। जो विश्व को शांति स्वास्थ्य और समरसता की ओर ले जाए। जहां व्यक्ति दिन की शुरुआत योग से करें और जीवन में संतुलन पाएं। जहां योग मानवता को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बने।पीएम ने कहा कि भारत विश्व में योग के प्रसार के लिए योग के साइंस को आधुनिक रिसर्च से विस्तृत कर रहा है। हम योग के क्षेत्र में प्रमाण आधारित थेरेपी को भी बढ़ावा दे रहे हैं। इस दिशा में दिल्ली एम्स ने सराहनीय काम किया है। एम्स के शोध में यह सामने आया है कि कार्डियक और न्यूरोलॉजिकल संबंधी बीमारियों के इलाज में योग की अहम भूमिका है। इसके साथ ही, महिलाओं के स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य में भी योग का महत्वपूर्ण योगदान पाया गया है।

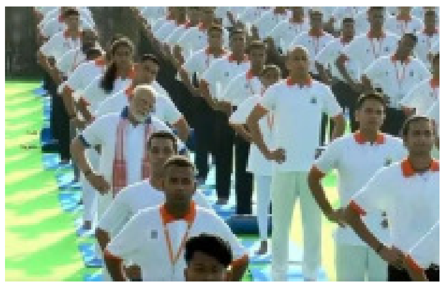

आज 'हील इन इंडिया' का मंत्र भी दुनिया में काफी पॉपुलर हो रहा है। भारत बेस डेस्टिनेशन बन रहा है। योग की इसमें बड़ी भूमिका है। योग के लिए कॉमन प्रोटोकॉल बनाया गया है। साढ़े लाख ट्रेंड वॉलेंटियर 130 संस्थानों में एक होलिस्टिक ईको सिस्टम तैयार कर रहे हैं। दुनियाभर के लोगों को भारत के इस वेलनेस ईको सिस्टम का फायदा मिले इसके लिए ई-आयुष वीजा दिए जा रहे हैं।पीएम ने कहा कि साथियों दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है। योग उस 'पॉज बटन' की तरह है जिसकी इंसानियत को जरूरत है- ताकि हम रुक सकें, सांस ले सकें, संतुलन बना सकें और फिर से खुद को पूर्ण महसूस कर सकें। मैं विश्व समुदाय से आज के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक आग्रह करूंगा कि जहां योग सिर्फ पर्सनल प्रेक्टिस न रहे बल्कि ग्लोबल पार्टनरशिप का माध्यम बने। योग को लोकनीति का हिस्सा बनाएं। जब जनता लक्ष्य को थाम लेती है तो उस लक्ष्य की प्राप्ति से हमें कोई रोक नहीं पाता। आपके प्रयास यहां इस आयोजन में नजर आ रहे हैं। साथियों मी टु वी का भाव भारत की आत्मा का साथ है। जब व्यक्ति अपने हित से ऊपर उठकर समाज की सोचता है तभी पूरी मानवता का हित होता है। भारत की संस्कृति हमें सर्वे भवंतु सुखिनः रही है।अभी नेवी के जहाज में भी योगा कार्यक्रम चल रहा है। चाहे ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों या एवरेस्ट की चोटियां या समुंदर का विस्तार हो एक ही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है। विशाखापट्टनम के लोगों ने इतना अच्छा आयोजन किया है कि सीएम चंद्रबाबू और पवन कल्याण को इसके लिए बधाई देता हूं।पीएम मोदी ने कहा- देश और दुनिया के सभी लोगों को इंटरनेशनल योग डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आज 11वीं बार पूरा विश्व 21 जून को एकसाथ योग कर रहा है। योग का सीधा सादा अर्थ होता है जुड़ना और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरे विश्व का जोड़ा है। आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं।वहीं गोरखपुर में योग दिवस पर सीएम योगी ने कहा, 'शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना इच्छाओं की पूर्ति की पहली शर्त है। योग से आध्यात्मिक विकास भी संभव है।' उन्होंने योग को ऋषि परंपरा बताया, जिसे वेद-पुराणों ने जीवित रखा है।

ईरान-इजरायल युद्ध से कच्चे तेल की कीमत में तेजी, खड़े हो सकते हैं ये 5 बड़े संकट, भारत पर असर भी जान लीजिए

नयी दिल्ली। ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी आई। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइल से हमला कर रहे हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने के कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। तेल की बढ़ती कीमत के कारण यह संकट किस तरह गहरा रहा है, आगे क्या हो सकता है और भारत पर क्या असर पड़ सकता है, जानते हैं इन 5 बिंदुओं में- क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2फीसदी ईरान से आता है है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90फीसदी तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। हालांकि ईरान ने खरग द्वीप टर्मिनल की परिधि को भी खाली कर दिया है। वहीं होर्मुज जलडमरूमध्य चालू है। यहां से वैश्विक तेल शिपमेंट का लगभग 20 प्रतिशत ऑयल बाहर भेजा जाता है।

इजरायल-अमेरिकी दबाव बढ़ने की सूरत में ईरान तेल सप्लाई रोक सकता है। खाड़ी के दूसरे तेल

उत्पादक देश की महत्वपूर्ण साइट्स ईरानी मिसाइलों की पहुंच में हैं। वह उनको भी निशाना बना सकता है। अगर तेल की सप्लाई रुकी तो इससे भारत समेत कई देशों को तेल की सप्लाई नहीं होती। इससे कच्चे तेल की कीमत में अचानक से तेजी आ सकती है।ईरानी सप्लाई रुकने की स्थिति में दुनिया की निर्भरता सऊदी अरब और यूएई पर बढ़ जाएगी। अनुमान है कि दोनों 30 से 40 लाख बैरल अतिरिक्त क्रूड ऑयल का प्रतिदिन उत्पादन कर सकते हैं। सऊदी अरब दुनिया का एक प्रमुख तेल उत्पादक देश है। साल 2024 में सऊदी अरामको का तेल उत्पादन 12.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन था। सऊदी अरब के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है, जो 267 बिलियन बैरल से अधिक है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20फीसदी नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20फीसदी तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50फीसदी है।भारत अपनी जरूरत का 85 से 88फीसदी तेल बाहर से खरीदता है। 2023-24 में सबसे ज्यादा खरीद इराक, सऊदी अरब, रूस और यूएई से हुई। आईसीआरए ने चेतावनी दी है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते से तेल और गैस की सप्लाई में रुकावट आती है तो भारत की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे तेल आयात बिल और चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका है। साथ ही इससे प्राइवेट सेक्टर का निवेश भी रुक सकता है। आईसीआरए का अनुमान है कि अगर कच्चे तेल की कीमत 10 डॉलर प्रति बैरल बढ़ती है तो भारत का तेल आयात बिल 13-14 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है।

पीएम की कुत्ते से तुलना... अमेरिका में पाकिस्तान की इज्जत कैसे लुटा आए सेना प्रमुख असीम मुनीर

नयी दिल्ली। असीम मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच के लिए देर हो रही थी। वह तय नहीं कर पा रहे थे कि क्या पहने। सादे कपड़े पहने या फिर फील्ड मार्शल की तरह दिखकर मेजबान को प्रभावित करें, जिसे वर्दी पहनने का शौक है? इस अवसर पर पूर्णता की आवश्यकता थी। डोनाल्ड ट्रंप उर्फ बाबाजी मुनीर को पाकिस्तान के वास्तविक शासक के रूप में आशीर्वाद देने जा रहे थे। किसी भी सिविलियन को अनुमति नहीं थी। वास्तव में, पाकिस्तान के राजदूत को मोहसिन नकवी के साथ बाहर इंतजार करने के लिए कहा गया था, जो गृह मंत्री हैं और इस यात्रा में मुनीर के साथ पालतू जानवर की तरह थे। केवल आईएसआई प्रमुख - और मुनीर के नाम वाले - असीम मलिक को अनुमति दी गई थी।अनुमान लगाइए कि इस घमंडी फील्ड मार्शल ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के बारे में उनके बड़े दिन से पहले क्या कहा? उन्होंने पाकिस्तानी प्रवासियों से कहा, जहां उन्हें माला पहनाई गई और फूल बरसाए गए। अमीर पाकिस्तानी अमेरिकियों ने उनका खर्च उठाया, 'यहां तक कि अगर कोई कुत्ता भी प्रधानमंत्री बन जाता है और अच्छा काम करता है, तो आपको

उसकी सराहना करनी चाहिए।' यह बात एक ऐसे व्यक्ति की तरह कही गई है जो सत्ता में कई साल देख चुका है।लेकिन फिर, पाकिस्तान में लोकतंत्र या लोगों की परवाह किसे है? अमेरिकियों को नहीं। बाबाजी को भूल जाइए। यहां तक कि बिडेनजी का विदेश विभाग भी मुनीर की तरफ से इमरान खान को जेल में रखने और शरीफ भाइयों को सत्ता में बनाए रखने के लिए किए गए सभी चुनावी धांधलियों के बारे में एक शब्द भी नहीं बोल पाया। ट्रंप को व्यापार और अपने नोबेल पुरस्कार की परवाह है।वापस लंच पर आते हैं। बैठक इतनी गुप्त थी और आशीर्वाद समारोह इतना निजी था कि कोई तस्वीर जारी नहीं की गई। जैसा कि एक सनकी पाकिस्तानी ने कहा, जारी किया जाने वाला एकमात्र बयान मेनू था। 'सभी भोजन हलाल हैं', मेनू कार्ड पर बड़े अक्षरों में घोषणा की गई थी ताकि फील्ड मार्शल बारीक प्रिंट को न चूकें। आप देखिए, वह कुलीन स्कूलों में नहीं गया था, और उसके संबद्ध परिसर हिंसक तरीकों से खेलते हैं। उसे साबित करना होगा कि वह उसका हकदार है।फर्स्ट कोर्स सावधानी से चुना गया था - बकरी पनीर गेटौ, टमाटर जैम, बटरमिल्क बिस्किट क्रम्बल्स और युवा वेरिएगेटेड लेट्यूस - मेहमानों को नरम करने के लिए। मेन कोर्स - स्प्रिंग लैम्ब का रैक, जले हुए सिपोलिनी सूबिस, कैरोलिना गोल्ड राइस और जामबाला - उन्हें आत्म-महत्व के साथ उन्मत्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया था।बाबाजी - मार्को रुबियो की सहायता से (जिन्हें अपने एनएसए और विदेश मंत्री के रूप में दुनिया को बाबा) भाषण समझाना चाहिए - मिठाई (नेक्टराइन टार्ट और आइसक्रीम) पर काम शुरू कर दिया। 'क्या आप ईरान को लंच पर ला सकते हैं?' 'चिंता मत करो, आदरणीय महोदय, मेरा देश आपका देश है। मेरा बलूचिस्तान आपका बलूचिस्तान है। मेरी खुफिया जानकारी आपकी खुफिया जानकारी है,' दोनों असीम ने एक साथ जवाब दिया। संतुष्ट होकर साधक कमरे से बाहर चला गया और बाद में कैमरे पर आकर नया मंत्र दोहराया: पाकिस्तान महान है, आदि।उत्साहित, खुश और लगभग गुस्से से भरे फील्ड मार्शल पाकिस्तानी दूतावास में थिंक-टैंकरों वाले अपने अगले कार्यक्रम की ओर बढ़ गए। हमेशा की तरह पूर्व राजदूतों, चार कांग्रेसी सहयोगियों और पांच पश्चिमी पत्रकारों (पाकिस्तानी पत्रकारों को आमंत्रित नहीं किया गया था) के साथ डिनर किया।

नाली की सफाई में कर्मियों को मिली तमंचे से भरी बोरी गिनती में निकले 8 देसी कट्टे

इटावा। नाली की गंदगी निकालते समय सफाईकर्मियों को ऐसी चीज

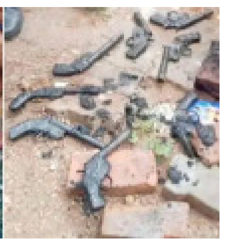

हाथ लगी, जिसकी वह उम्मीद करके नहीं चल रहे है। उत्तर प्रदेश के इटावा में नाली सफाई के दौरान कर्मियों को 8 कट्टों से भरा एक बैग मिला है। जिसे लेकर उन्होंने पुलिस तक में शिकायत कर दी है।बारिश का मौसम आ रहा है, ऐसे में अब नगरपालिका के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में नालियों की साफ-सफाई शुरू हो गई है। आमतौर पर, सफाई कर्मी नाली की साफ-सफाई में कचरा, पन्नी या इधर-उधर की चीजें होने की अपेक्षा करके चल रहे होते हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश के इटावा में नाली की सफाई के दौरान, कर्मियों के हाथ में एक ऐसी चीज लग गई।जिसे देखते ही उन्होंने पुलिस को बुला लिया। क्योंकि वह चीज कोई आम चीज नहीं बल्कि 8 देसी कट्टों की खेप थी। जो नाली के अंदर छिपी हुई थी। ऐसे में जब मौके पर पुलिस पहुंची तो वह भी यह नजारा देखकर शॉक्ड रह गई है। इस मामले में ट्विटर पर भी पुलिस ने एक्शन का आश्वासन दिया है। साथ ही, मौके पर पहुंची पुलिस ने इन हथियारों को कब्जे में ले लिया है।इटावा के फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र के यशोदा नगर, लार्ड कृष्णा स्कूल के पास नगर निगम की ओर से नाले की सफाई कराई जा रही थी। इस दौरान 19 जून को गुरुवार के दिन सफाई कर्मचारियों को नाले के अंदर एक बोरी दिखाई दी। जिसे उनके सुपरवाइजर रजनीश राठौर ने अपनी आंखों के सामने खुलवाया, तो उसके अंदर से 8 देसी तमंचे दिखाई पड़े। हथियार देखते ही सुपरवाइजर ने तुरंत पुलिस को बताया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हथियारों से भरी बोरी को कब्जे में लिया और तुरंत फ्रेंड्स कॉलोनी थाना प्रभारी को सूचित किया। जिसके बाद थाना प्रभारी मौके पर पहुंचकर घटना का निरीक्षण किया और सभी हथियारों को जब्त करके इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस को आशंका है कि किसी ने अपराध से बचने के उद्देश्य से किसी ने इन तमंचों को नाले में फेंका होगा। यह भी संभावना है कि यह तमंचे किसी अपराधी गिरोह से संबंधित हों, जिन्हें छिपाने की कोशिश की गई हो। पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही है, लेकिन इस घटना से इस घटना से इलाके में डर का माहौल है।@iac84154 नाम के एक्स हैंडल ने यह तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा- इटावा-नाले की सफाई के दौरान तमंचों से भरा बैग मिला, सफाईकर्मियों को नाले में मिला तमंचों से भरा बैग सूचना पर पहुंची पुलिस ने तमंचों को कब्जे में लिया, थाना फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र के यशोदा नगर का मामला। इस पोस्ट पर इटावा पुलिस का रिप्लाई भी आया है। वहीँ पुलिस का वर्जन -प्रकरण के संबंध मे थाना फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है, जाचोंपरान्त आवश्यक कार्यवाही अमल मे लायी जायेगी।

प्रयागराज डीएम रविंद्र कुमार ने बचाई 24 सिपाहियों की नौकरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की

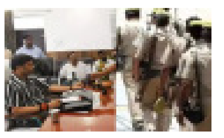

संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई एक बड़ी मिसाल बनकर सामने आई है। पुराने फर्जी मुकदमों के चलते नौकरी गंवाने की कगार पर खड़े हाल में चयनित हुए 24 पुलिस अभ्यर्थियों (सिपाही) को प्रयागराज डीएम ने न सिर्फ न्याय दिलाया है, बल्कि उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी चिंता भी खत्म कर दी है। बता दें, बुधवार को डीएम कार्यालय पहुंचे अभ्यर्थियों ने अपनी पीड़ा साझा की थी। इस मामले का डीएम रविन्द्र कुमार ने गंभीरता से संज्ञान लिया था।दरअसल, ये सभी युवा अभ्यर्थी हाल ही में उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित हुए थे, लेकिन उनके खिलाफ सालों पुराने फर्जी मुकदमे नियुक्ति प्रक्रिया में बाधा बन रहे थे। युवाओं ने बताया कि अधिकतर मामलों में वे उस समय घटनास्थल पर मौजूद भी नहीं थे। कई को बाद में पता चला कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है। यह सब कुछ निजी रंजिश के चलते हुआ था। जनता दर्शन में सुनवाई के दौरान डीएम रविंद्र कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल शासकीय अधिवक्ता को बुलाया था।इसके साथ ही पुलिस अधिकारियों से बातचीत कर त्वरित जांच के आदेश भी दिए थे। कलेक्ट्रेट में विशेष टीम गठित कर सभी 24 अभ्यर्थियों की फाइलों की समीक्षा की गई थी। जांच में सामने आया कि सभी अभ्यर्थियों के मुकदमों में पुलिस पहले ही अंतिम रिपोर्ट लगा चुकी थी, लेकिन सिर्फ दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी न होने के कारण इनकी नियुक्ति अटकी थी।

संगम नोज पर 8 हजार लोगों ने किया योगभ्यास:प्रयागराज में बारिश के बावजूद भी योगाभ्यास, बहती धारा के बीच भी योग की प्रैक्टिस

प्रयागराज। आज 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

हो रहा है। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर आज करीब 8 हजार लोग एक साथ योगाभ्यास करते नजर आए। दरअसल, योग के लिए सुबह करीब 6 बजे का टाइम तय था लेकिन तेज बारिश के चलते कार्यक्रम सुबह 7:30 बजे तय किया गया।यहां मुख्य अतिथि के रूप मे कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी शामिल हुए। यहां कोई गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की बहती धारा के बीच योगा करते हुए दिखा तो गंगा यमुना में चलती नाव पर अनूठे अंदाज में योगाभ्यास करते दिखा। फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल भी रहे। यहां सीडीओ हर्षिका सिंह, डीआईओएस पीएन सिंह, बीएसए देवव्रत सिंह, सीएमओ डॉ. एके तिवारी समेत बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। संचालन प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने शहरवासियों से योग में शामिल होने की अपील की थी। इसमें बड़ी संख्या में शहरवासियों के साथ साथ शिक्षक समेत अन्य सभी विभागों के स्टाफ शामिल रहे। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस बार भी योग शिविर का आयोजन हुआ। इसी तरह चंद्रशेखर आजाद पार्क, मिंटो पार्क, हाथी पार्क, शिवाजी पार्क समेत सभी पार्कों में आज योग शिविर का आयोजन हुआ।

इंदिरा गांधी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

इंदिरा गांधी औद्योगिक प्रशिक्षण

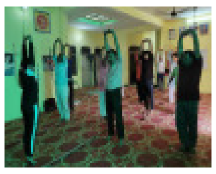

संस्थान में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास किया।योग दिवस का महत्व- योग दिवस का उद्देश्य लोगों को योग के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष का थीम 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' है, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और पारिस्थितिक चेतना के मेल को दर्शाता है। भारत में योग दिवस का आयोजन- भारत में योग दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। देशभर में 1 लाख से अधिक स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं। योग के लाभ- योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह तनाव कम करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करके हम अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं। आज इंदिरा गांधी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। इस अवसर पर उन्हें योग के महत्व और लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई

प्रयागराज में टमाटर से भरी पिकअप पलटी,मंडी ले जा रहे किसान को 60 हजार का नुकसान, सड़क पर बिखरे दिखे लाल-लाल टमाटर

प्रयागराज। सिविल लाइंस इलाके में आज सुबह सिटी कार्ड चौराहे पर

एक टमाटर से भरी महिंद्रा पिकअप बेकाबू होकर पलट गई। पिकअप में चार टन से अधिक टमाटर लदे थे, जिन्हें सोरांव क्षेत्र का एक किसान मुंडेरा मंडी ले जा रहा था। हादसे में कई कुंटल टमाटर सड़क पर बिखर गए और किसान को लगभग 60,000 रुपये का नुकसान हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पिकअप की रफ्तार काफी तेज थी। मोड़ पर अचानक नियंत्रण खो बैठने से गाड़ी पलट गई और लदी हुई पूरी टमाटर की ट्रे सड़क पर फैल गई। टमाटर सड़क पर फैलते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। कई राहगीरों ने रुककर मदद करने की कोशिश की, जबकि कुछ लोग टमाटर उठाकर ले जाने लगे। देखते ही देखते वहां भीड़ जमा हो गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।किसान ने हादसे का कारण ड्राइवर की तेज रफ्तार और लापरवाही को बताया। किसान का कहना है कि वह पूरी रात मेहनत कर खेत से टमाटर तोड़कर लाया था और मंडी में बेचने जा रहा था, जिससे परिवार का खर्च चल सके। लेकिन एक पल की लापरवाही ने उसकी मेहनत पर पानी फेर दिया। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल करने के लिए क्रेन बुलवाई गई। पलटी हुई पिकअप को हटाया गया और जाम को साफ कराया गया।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में मनाया गया योग दिवस।

प्रयागराज। शनिवार को नैनी स्थित

'नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण' केंद्र में

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि योग दिवस का उद्देश्य लोगों को योग के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर छात्रों को योग के विभिन्न लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। गौरतलब है कि देशभर में योग दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कई शहरों में सामूहिक योगाभ्यास किया जा रहा है, जिसमें बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक भाग ले रहे हैं। योग दिवस के अवसर पर लोगों को योग के महत्व के बारे में जागरूक करने और उन्हें अपने जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

डाक पंजीयन नं. AD -99/2024-2026 - website:www.aadhuniksamachar.com – E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

weekli text print line sahihain.pmd 1 21-Jun-25, 7:59 PM

योग करने से शारीरिक मानसिक आध्यात्मिक और बौद्धिक विकास होता हैं,जो स्वयं में स्थित है वही स्वस्थ है

योग हमारे जीवन का आधार है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज।। 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इंडियन योग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश चैप्टर एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से पूर्वी जोन के अध्यक्ष डॉ नवीन सिंह एवं सचिव आशीष टंडन डॉ रमेश चंद्रा के नेतृत्व में चल रहे अभियान के अंतर्गत 'वन अर्थ वन हेल्थ' कार्यक्रम के अंतर्गत योग प्रोटोकॉल का अभ्यास लायंस क्लब प्रयागराज रॉयल और गंगोत्री नगर योगा टीम के संयुक्त तत्वाधान में गंगोत्री नगर नैनी में कराया गया।उक्त कथन योग प्रशिक्षण दे दे रहे वरिष्ठ आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक योगाचार्य डॉ रमेश चंद्रा ने कहा। योग करने से हमारे अंदर आध्यात्मिक, शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। यदि हम नित्य प्रतिदिन योग प्राणायाम का अभ्यास करते रहें तो हमारे अंदर किसी भी प्रकार की कोई बीमारी नहीं हो सकती। इससे हमारे अंदर इम्युनिटी पावर यानी रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। योग के चार स्तंभ है आहार, निद्रा, संयम और शारीरिक श्रम। इसी पर हमारा शरीर भी आधारित है। इस तरह से योग हमारे जीवन का आधार है। एक स्वस्थ व्यक्ति की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा जो स्वयं में स्थित है वही स्वस्थ है और स्वयं में स्थित होने के लिए योग प्राणायाम प्रतिदिन जरूरी है। सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का अभ्यास वरिष्ठ योग शिक्षक डॉ सूर्यनाथ प्रजापति जी ने कराया। खराब मौसम में भी योग साधकों के अंदर बहुत ही उत्साह देखने को मिला। वहीं पर वरिष्ठ समाज सेवी आदरणीय बब्बन दुबे जी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा योग का अर्थ है जोड़ना यह हम सभी लोगों को किसी प्रकार का भेदभाव ना करते हुए आपस में जोड़ता है धन्यवाद ज्ञापन लायंस क्लब प्रयागराज रॉयल के अध्यक्ष इं संत कुमार वर्मा जी ने किया। इस अवसर पर देवी प्रसाद सिंह, केपी तिवारी, सरिता पटेल, सुधा गुप्ता, अल्पना वर्मा, अंजली यादव, कविता पटेल, रवि भूषण गुप्ता, यस बी गुप्ता, राजेश सुमन, फूलचंद, विजय, लालचंद, आदि कई गणमान्य लोग उपस्थित थे लोग उपस्थित थे।

जगमगाती फ्लडलाइट्स में उभरते सितारेः ग्राम कुम्हिया बना खेल प्रतिभाओं की नई पाठशाला ग्राम कुम्हिया के सरपंच शैलेंद्र मिश्रा की मेहनत लाई रंग,,,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। ब्यौहारी जनपद शहडोल जिले की ग्राम पंचायत कुम्हिया में खेल प्रेमियों के लिए

एक नई सुबह अब रात में भी नजर आने लगी है। अब यहां रात के अंधेरे को चीरती स्ट्रीट लाइट्स की रोशनी में युवाओं के सपने नई उड़ान भर रहे हैं। पंचायत द्वारा खेल मैदान में लगाई गई फ्लडलाइट्स ने न केवल गांव के युवाओं को रात में भी अभ्यास का अवसर दिया है, बल्कि उनके जोश और जुनून में चार चांद लगा दिए हैं। जहां पहले सूरज डूबते ही मैदान सूना हो जाता था, अब वहीं रात में भी उत्साह और खेल भावना की चहलकदमी देखने को मिलती है। खासतौर पर वालीबॉल के शौकीन युवा खिलाड़ी इन लाइट्स के नीचे जमकर पसीना बहा रहे हैं। युवाओं की टोलियां हर शाम मैदान में उमड़ पड़ती हैं और जब फ्लडलाइट्स जलती हैं, तो मानो कुम्हिया का यह मैदान मिनी स्टेडियम बन जाता है। शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक मजबूती भी खेल का मैदान अब सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि युवाओं के आत्मविकास और टीम भावना का केंद्र बन चुका है। वालीबॉल के अभ्यास से युवाओं की न केवल शारीरिक फिटनेस में सुधार हो रहा है, बल्कि उनमें अनुशासन, सहयोग और नेतृत्व जैसे गुण भी विकसित हो रहे हैं इस पहल से ग्राम में एक नई सामुदायिक ऊर्जा का संचार हुआ है। आसपास के ग्रामीण भी युवाओं के इस जोश और मेहनत को देखकर गर्व महसूस कर रहे हैं।

काफी उत्साह से मनाया गया ग्यारहवां अंतराष्ट्रीय योग दिवस।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर जनपद रायबरेली में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस काफी उत्साह से मनाया गया। स्थानीय स्टेडियम में जनपद के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सचान ,नोडल अधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव, जिलाधिकारी श्रीमती हर्षिता माथुर, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ,पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उनके विभागीय कर्मचारी एवं जनपद के गणमान्य लोग, विधायक ,भाजपा जिला अध्यक्ष श्री बुद्धि लाल पासी एवं समस्त पदाधिकारियों द्वारा 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया । यूं तो पूरे जनपद में योग दिवस मनाया गया प्रमुख रूप से महाराजगंज में श्री प्रभात साहू के संरक्षण में, लालगंज नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सरिता गुप्ता तथा प्रमुख वव्यवसाई खन्ना जी के एवं गोरा बाजार में योग शिक्षक यूं. बी .सिंह के नेतृत्व में तथा शहीद स्मारक स्थित राणा बेनी माधव पार्क में श्री प्रदीप पांडे के सहयोग से मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली द्वारा योग का कार्यक्रम कराया गया जिसमें ब्रह्मकुमारी प्रजापति की जिले प्रभारी ज्योति जी, पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख शैलेंद्र अग्निहोत्री जिला कमांडेंट होमगार्ड , समाजसेवी रामराज गिरी ,महेंद्र अग्रवाल आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री राकेश सचान द्वारा योग के विषय में विस्तृत रूप से बताया गया कि योग करें निरोग रहे और अपना वजन भी घटाएं मैंने अपने योग के बल से 26 किलो वजन घटा दिया है इसके अतिरिक्त योग शरीर को स्वस्थ रखता है एवं ऊर्जावान बनाता है। राणा बेनीमाधव पार्क में बहन ज्योति जी ने बताया कि योग आपस में लोगों को जोड़ता है ,लोगों के दिनचर्या व्यवस्थित रखता है और स्वस्थ बनाता है इजीससे प्रेम सौहार्द बढ़ता है उन्होंने योग दिवस की सबको बधाई दी एवं निरंतर योग करने हेतु प्रेरित किया।

अरैल महर्षि महेश योगी आश्रम में वैदिक विद्वानों द्वारा दिव्य-भव्य योग,करेंगे-योग-रहेगे-निरोग का संकल्प लिया

नैनी प्रयागराज/महर्षि महेश योगी

परिसर संगम तट नैनी अरैल में योग दिवस के अवसर पर वरिष्ठ विद्वानों के द्वारा योग दिवस संपन्न हुआ। महर्षि महेश योगी के परमशिष्य आश्रम के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश वर्मा के निर्देशन में आज संगम तट अरैल नैनी प्रयागराज आश्रम परिसर में योग दिवस के अवसर पर विद्वानों के द्वारा योग एवं भावातिथ ध्यान किया गया इस अवसर पर आश्रम प्रभारी सुनील श्रीवास्तव व आश्रम प्रभारी बसंत दास ने कहा कि अगर हमको स्वस्थ रहना है सबसे जरूरी मूल्यवान सभी को महर्षि जी के बताए हुए योग एवं भावातिथ ध्यान के माध्यम से शरीर को स्वस्थ किया जा सकता है इस अवसर पर वरिष्ठ सुप्रसिद्ध समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह ने कहा अगर हम लोग योग करते हैं तो हम लोगों को दवा की जरूरत नहीं पड़ेगी इस अवसर पर मीडिया प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने बताया कि लगभग 600 विद्वान पंडितों ने आज योगा करके महर्षि जी के बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अरुण त्रिवेदी,विमल मिश्रा, जितेंद्र दास,सोनू पांडे,विकास मिश्रा, सुरेश श्रीवास्तव,सियाराम शर्मा, संजय श्रीवास्तव,राम मंगल गुप्ता, डॉ.जे पी श्रीवास्तव,डॉ.श्रीकांत तिवार,पहलाद नायक आदि प्रमुख लोग उपस्थित थे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय में मनाया गया 11वाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

प्रयागराज। श्यामा प्रसाद मुखर्जी

राजकीय महाविद्यालय फाफामऊ, प्रयागराज में 21.06.2025 को 11वाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस बडे उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो शुभा श्रीवास्तव ने वर्ष 2025 थीम 'योगा फॉर वन अर्थ वन हेल्थ' के महत्व को बताया। वार्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य शारिरिक एवं मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ को बढावा देना, योग को भारत कि प्राचीन परम्परा के उपहार के रूप में प्रचारित करना तथा इसके अभ्यास के माध्यम से वैश्विक समरसता एवं शान्ति को प्रोत्साहित करना है। इस योगाभ्यास का संचालन डॉ रत्ना शर्मा द्वारा किया गया इस समारोह में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र/छात्राएं सम्मलित हुए। समारोह का समापन महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ वीरेन्द्र सिहं के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समपन्न हुआ।

नियमित करें योग, रहे निरोगःज्ञानेश्वर शुक्ला

प्रयागराज। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री परम आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा

से आज वैश्विक पटल पर 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नैनी मंडल में विशाल योग अभ्यास आयोजन नैनी स्थित एक गेस्ट हाउस में सकुशल किया गया।उल्लेखनीय है कि, भारत को योग साधना के लिए विश्व गुरु भी कहा जाता है, योग साधना व्यायाम का ऐसा प्रभावशाली प्रकार है जिसके माध्यम से न केवल मानव शरीर के अंगों बल्कि मन एवं मस्तिष्क में संतुलन बनाया जाता है. कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर पदाधिकारी श्री ज्ञानेश्वर शुक्ला जी,पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री हरि कृष्ण तिवारी जी, नैनी मंडल अध्यक्ष श्री रजत दुबे जी, श्री ओम प्रकाश मिश्र जी, श्री शिवदानी सिंह, श्री दिनेश पटेल जी, श्री श्याम मिश्र , श्री युवराज सिंह ,श्री घनश्याम जायसवाल, श्री शुभम पल, श्री अजीत त्रिपाठी, श्री आर पी राय जी, श्री अरविंद राय, श्री जय शंकर मिश्रा, श्री सुनील साहनी, श्री अरविंद पटेल, श्री आदर्श तिवारी जी, श्री गुड्डू मिश्र जी एवं भारी संख्या में सामाजिक एवं राजनैतिक लोग उपस्थिति रहे. योग अभ्यास के सफल कार्यक्रम के संयोजक नैनी मंडल मंत्री श्री समर बहादुर सिंह जी ने सभी योगार्थियो को धन्यवाद किया।

मा0 उच्च न्यायालय के विधि म्यूजियम हाल में योगाभ्यास कार्यक्रम का हुआ आयोजन,मा0 न्यायमूर्तिगणों, अधिकारियों एवं विद्वान अधिवक्तागणों के द्वारा किया गया योगाभ्यास

नाज़रथ अस्पताल में योग संगम का उत्साहपूर्वक आयोजन

प्रयागराज। प्रातः हुई हल्की वर्षा की परवाह किए बिना, स्वास्थ्य सेवा और रोगों की रोकथाम हेतु जागरूकता के उद्देश्य

नाज़रथ अस्पताल परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्साहपूर्वक योग संगम का आयोजन किया गया। सुबह 5:30 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में लगभग 200 स्टाफ सदस्य और छात्र-छात्राएँ शामिल हुए। सभी ने स्वास्थ्य, समरसता और जागरूकता को समर्पित इस वैश्विक पर्व में पूरे जोश के साथ भाग लिया। योग सत्र का संचालन प्रसिद्ध योगाचार्या श्रीमती पल्लवी दयाल द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योग आसनों, श्वास तकनीकों और विश्राम अभ्यासों के माध्यम से योग की शक्ति का अनुभव कराया। उनकी शांत उपस्थिति और सहज मार्गदर्शन ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। यह आयोजन अस्पताल की समग्र से किया गया था। प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि यह सत्र अत्यंत ताजगी देने वाला और ऊर्जावान अनुभव रहा।इस अवसर पर निदेशक फा. विपिन डीसूज़ा ने योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के महत्व पर बल दिया और सभी को नियमित रूप से योग अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सुबह 6:45 बजे धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें योगाचार्या श्रीमती पल्लवी दयाल और उनकी सहायक सुश्री भावना जैन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस सफल आयोजन के माध्यम से नाज़रथ अस्पताल ने एक बार फिर अपने समुदाय में स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया।

राजकीय आईटीआई में रोज़गार मेला 21 जून 2025 को सकुशल सम्पन्न

प्रयागराज। राजकीय

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज में दिनांक 21 जून 2025 को रोज़गार मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की एक कंपनी टीमलीज सर्विसेज लिमिटेड प्रयागराज ने प्रतिभाग कर एयरटेल के लिए साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया। रोजगार मेले में 39 बच्चों ने प्रतिभाग किया और 10 बच्चों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया गया। एयरटेल कंपनी प्रतिनिधि के रूप में श्री संदीप कुमार एवं श्री अंकित केसरवानी उपस्थित रहे। संस्थान की ओर से श्री अजय कुमार प्लेसमेंट प्रभारी, श्री शहज़ाद अहमद खान सहायक प्लेसमेंट प्रभारी, श्री अशोक कुमार पटेल सहायक सुरक्षा प्रभारी, श्री वीरेन्द्र कुमार पाल कार्यदेशक ने अपना पूर्ण सहयोग किया। ये जानकारी प्रधानाचार्य श्री अशोक कुमार ने दी है।

अनपरा सोनभद्र सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयअनपरा कॉलोनी में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम

सोनभद्र। सोनभद्र अनपरा परियोजना आवासीय परिसर स्थित के आचार्य एवं आचार्या सैकड़ो लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम पूर्वक योग शिक्षक विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्रीमान सुदामाजी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। योग आचार्य जी ने योग के आठ अंग यम, नियम ,आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार, धारणा ,ध्यान समाधि को बताते हुए कहा कि इनके माध्यम से हम सभी लोग निरोग रह सकते हैं।और साथ ही विभिन्न आसनों एवं मुद्राओं से होने वाले लाभ को बताते हुए योग का अभ्यास कराया कार्यक्रम में उपस्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं अभिभावक एवं विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के प्रधानाचार्य माननीय श्री वेद प्रकाश शुक्ल जी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग कभी संकट में धैर्य नहीं खोता और योग करने से शरीर के सारे रोग एवं कष्ट दूर होते हैं। इस विश्वयोग दिवस को सफल बनाने में छायांकन आचार्या ज्योति सिंह का प्रमुख योगदान रहा। कार्यक्रम में उपस्थित आचार्य गण अनिकेत जी,आकाश जी, धनंजय जी,लाल बहादुर जी, निधि ठाकुर जी चंदू सोनी जी,पूनम जी, आराधना जी,रेनू जी, मोनिका जी एवं निधि जी उपस्थित रहे

नगर पालिका में फैली हुई दुर्व्यवस्था का जिम्मेदार कौन,नगर में बढ़ रहे जल - जमाव पानी निकासी की व्यवस्था सफाई की मांग

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज विधानसभा के नगर पालिका सफाई उनकी क्रॉसिंग एवं टूटी-फूटी नालियों का निर्माण करवा दें ताकि

राबर्ट्सगंज पर नगर में वयाप्त दुरव्यवस्थाओं को लेकर, नाली के बदबूदार पानी को लेकर, नगर में सफाई को लेकर, युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया व ज्ञापन दिया , कार्यक्रम में उपस्थित उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि राबर्ट्सगंज नगर में जहां कुछ दीनो से ही बारिश शुरू हुई है,जिसमे धर्मशाला, बढ़ोली चौराहा, अंबेडकर नगर, ब्रह्म नगर से लेते हुए नगर पालिका परिक्षेत्र में तमाम जगहों पर पानी सड़क पर गलियों में चलते हुए देखने को मिल जा रहा है , नालियों का पानी सड़कों पर हैं लोगों को उसमें से चलना उनकी मजबूरी हो जा रही है, वहीं दूसरी ओर नगर में बन रही नाली जो केवल जेसीबी से खोदते हुए नीचे की तलहटी को सही रूप से दिशा ना देते हुए बनाई जा रही है और टेढ़ी-मेढ़ी नालियां सार्वजनिक रूप से हर व्यक्ति देख सकता है, साथ नालिया कहीं सड़कों के ऊपर तो कहीं सड़कों के नीचे हैं, आगे आने वाले समय में यह पानी के निकासी को लेकर बहुत बड़ी दुर्व्यवस्था हो जाएगी ,इस विषय पर नगर पालिका अध्यक्ष से बात कही गई। जिसमें उन्होंने कहा कि बन रही नालियां उनके नगर पालिका प्रशासन से बाहर का है ,सी0एन0डी0एस0 के माध्यम से बनाई जा रही है। आशु दुबे ने कहा कि संस्था चाहे जो हो लेकिन इसकी साफ सफाई की जिम्मेदारी तो नगर पालिका को ही करना होगा तो एक तरीके से इसका जो प्रभाव है नगर में रहने वाले आम जनमानस पर ही पड़ना है। इसलिए आमजन मानस की होने वाली दुर्व्यवस्था को देखते हुए नालियों की स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। भारतीय युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने कहा कि राबर्ट्सगंज नगर में हल्की बारिश में घुटनों तक नाली का पानी सड़कों पर भर जाता है, बारिश का गंदा पानी/ जल निकासी एक बड़ी समस्या बन गई है, नगर में अधूरे पड़े नालियों के निर्माण से नगर वासियों को काफी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र/प्रदेश और नगर पालिका में भाजपा की सरकार है फिर भी राबर्ट्सगंज की जनता मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि नालियों में पानी कीड़े, मकोड़े ,मच्छरों को पैदा करते हैं जिससे बीमारियां बढ़ती है नालियों का ढक्कन नालियों पर नहीं लगा रहेगा तो आवागमन में कोई इसमें गिर सकता है जो दुर्घटना का सबक बनेगा। कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि बनी सड़क के ऊपर दोबारा सड़क बनाने अच्छा रहेगा कि जहां पर सड़के एकदम नहीं है पहले उसको बनाया जाए ताकि सभी को कम से कम चलने की व्यवस्था मिल सके। युवा नेता प्रमोद प्रजापति /अनिल बियार ने कहा कि बरसात से नालियों की दुर्व्यवस्था है वहीं नगर के कई जगहों पर बनी सड़के लोगो को घर तक नहीं पहुंचने दे रही है और साइकिल / पैदल चलने वाले फिसल के गिर जा रहे हैं ।मुख्य उपस्थित रहने वालों में सौम्य सोनकर,अजित खरवार, युवा कांग्रेस जिला महासचिव दया राम प्रजापति , सुजीत मिश्रा, मिथिलेश खरवार, धीरज केशरी, आशीष मोदनवाल, अनिल यादव , निगम बियार,रोहित भारती,रहे।

सोनभद्र में रोजगार सेवक पर हमलाःबेटे को बचाने गई मां भी घायल, चार-पांच लोगों ने लाठी-डंडों से पीटा

सोनभद्र। माची थाना क्षेत्र के

सुअरसोत गांव में एक रोजगार सेवक और उनकी मां को कुछ लोगों ने घायल कर दिया। घटना शुक्रवार रात करीब 9 बजे की है।सुअरसोत निवासी 40 वर्षीय बालेश्वर प्रजापति अपने घर के सामने कुर्सी पर बैठे थे। इसी दौरान गांव के दूसरे समुदाय के चार-पांच लोग दो बाइक से आए। उन्होंने लाठी-डंडे और ईंट से रोजगार सेवक पर हमला कर दिया। इस हमले में बालेश्वर का सर फट गया।बेटे को पिटते देख 65 वर्षीय मोटरी देवी उन्हें बचाने पहुंची। हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। ग्राम प्रधान और आसपास के लोगों ने माची पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने घायल मां-बेटे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वैनी में भर्ती कराया। रोजगार सेवक ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि हमलावरों ने किस कारण से हमला किया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। नगवां के ब्लॉक प्रमुख ने घायल रोजगार सेवक का हाल जाना और पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के द्वारा प्रकृति की सुरम्य गोद अबाड़ी पिकनिक स्पॉट में मना जनपद का 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रत्येक वर्ष की भांति उत्साह एवं ऊर्जा के साथ जनपद के अधिकारियों कर्मचारियों एवं जनपद की जनता ने बढ़-चढ़कर पूर्ण मनोयोग से पर्यटन स्थल अबाड़ी पिकनिक स्पॉट कनहर नदी के तट पर कल कल ध्वनि के बीच योगाभ्यास किया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय प्रभारी मंत्री रविंद्र जायसवाल जी एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता जी दोनों ने अपने अनुभव एवं उद्बोधन से लोगों को ऊर्जान्वित किया । जनपद के सभी वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में यह योगाभ्यास अभूतपूर्व आयोजन बन गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्री बद्रीनाथ सिंह ने किया। कार्यक्रम के नोडल डा सतेन्द्र आर्य एवं कार्यक्रम प्रबंधक श्री आद्या प्रसाद सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रयास किया। योग

प्रदर्शन प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास अभिषेक कुमार सिंह संग पतंजलि की पूनम ने किया एवं बाल योगाभ्यासियों ने योग प्रदर्शन किया । मंच का संचालन डॉक्टर अपूर्व प्रियदर्शी ने किया । अतिथियों का स्वागत औषधीय पौधों को देकर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ राजेश यादव ने किया । स्वागत स्वरुप औषधि पौधा तुलसी भेंट में मिलने पर मुख्य अतिथि महोदय पुलकित हो गए । उन्होंने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि विभिन्न वनस्पतियों पेड़ों को धार्मिक भावनाओं से जोड़कर उनका संरक्षण अभिवर्धन करना केवल सनातन संस्कृति की परंपरा रही है ,और यह परंपरा हजारों वर्ष से अनवरत चली आ रही है ।इन्हीं कारणों से भारत विश्व गुरु की उपाधि पाता रहा है। साथ ही आयुष विभाग के द्वारा विशिष्ट स्पोर्ट्स स्टेडियम तियरा राबर्ट्सगंज में भी वृहद योगाभ्यास आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि ओम प्रकाश त्रिपाठी जी विशिष्ठ अतिथि माननीय पूर्व सांसद राम सकल जी ,कमिश्नर श्री बाल कृष्ण त्रिपाठी जी रहे एवं अपर जिलाधिकारी श्री सहदेव मिश्रा जी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के नोडल डा ज्योतिर्जय ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

रालोद राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत की तैयारी में जुटे कार्यकर्ता

सोनभद्र।भारत सरकार में कौशल विकास और उद्यमिता एवं शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार माननीय चौधरी जयंत सिंह के सोनभद्र आगमन की जानकारी पत्रकार वार्ता कर देते हुए राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र के जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने बताया कि 23 जून को वाराणसी से सड़क मार्ग से चलकर

माननीय जयंत चौधरी का आगमन सोनभद्र शाम लगभग चार बजे होगा। जिनका प्रथम स्वागत हिंदुआरी तीराहे पर बड़ी संख्या में रालोद कार्यकर्ताओं एवं पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के किसानों द्वारा किया जायेगा।श्रीकांत त्रिपाठी ने बताया कि किसानों की आवाज दिल्ली में बुलंद करने वाले राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जयंत सिंह 23 जून की शाम को नगरपालिका परिषद रावर्ट्सगंज में पार्टी के जिला कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कार्यालय पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं किसानों को संबोधित करेंगे। श्री त्रिपाठी ने बताया कि जयंत के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं एवं किसानों में उत्साह है बताया कि 23 जून रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 24 जून को मंत्री जयंत सिंह अपने विभागीय योजनाओं की समीक्षा जिम्मेदार अधिकारियों के साथ करते हुए 24 जून को शाम सोनभद्र से वाराणसी एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। श्रीकांत त्रिपाठी ने बताया कि मंत्री का सोनभद्र दौरा भ्रमण कार्यक्रम युवाओं और किसानों के लिए खास है। जनपद के युवाओं को रोजगार एवं किसानों के लिए संसाधनों पर राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ0 जयंत सिंह का ध्यान आकृष्ट कराया जायेगा। पत्राचार वार्ता के दौरान राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश सचिव राम सेवक पटेल जी मौजूद थे।

एस.टी.एफ. कोतवाली पुलिस ने डोडा पोस्ता तस्कर दो गिरफ्तार

पुलिस की संयुक्त टीम ने एक डी.सी.एम. से 1806.56 किलोग्राम डोडा बरामद

सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वाले

तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाया गया है, इसी के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी के निर्देशन में शुक्रवार दोपहर बाद एस.टी.एफ. व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग के दौरान हिन्दुआरी तिराहे से करीब 100 मीटर आगे मीरजापुर रोड से एक एक अदद डी.सी.एम. वाहन से 1806.56 किलोग्राम डोडा (अनुमानित कीमत 01 करोड़ 80 लाख 65 हजार 06 सौ रुपये) बरामद कर मौके से 02 नफर तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर विभिन्न धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया । घटना में संलिप्त अन्य वांछित अभियुक्तगणों के विरुद्ध टीम गठित कर गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। पूछताछ करने पर अभियुक्तगण ने बताया कि डोडा पोस्ता रांची झारखण्ड से लोडकर बरेली जनपद लेकर जाकर बेच देते हैं। जहां उन्हें अच्छी कीमत मिल जाती है।गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का विवरण में अकरम खां 35 वर्षीय पुत्र मुल्तान खां निवासी मकरन्दपुर कुड्डा थाना भमौरा जनपद बरेली ,मो0 आरिफ 32 वर्षीय पुत्र हनीफ अंसारी निवासी क्यूना शादीपुर थाना भमौरा जनपद बरेली को किया गया गिरफ्तार वही वांछित अभियुक्त में अनीश अंसारी अज्ञात।गिरफ्तारी /बरामदगी में सम्मिलित पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता थाना रॉबर्ट्सगंज , उ0नि0 जावेद आलम सिद्दीकी एस.टी.एफ. लखनऊ, उ0नि0 आशुतोष राय

,उ0नि0 बृजेश कुमार दूबे,उ0नि0 चन्द्र प्रकाश मिश्र एस.टी.एफ. लखनऊ, कमाण्डो रामबली गिरी एस.टी.एफ. लखनऊ, हे0का0 मृत्युंजय सिंह एस.टी.एफ. लखनऊ, रईस अहमद एस.टी.एफ. लखनऊ, कन्हैया लाल यादव, संदीप कुमार यादव, अभिमन्यू पाण्डेय, विशाल गौतम मौजूद रहे।

दुद्धी में मोहर्रम पर शस्त्र प्रदर्शन पर रोकःपुरानी परंपरा के अनुसार त्योहार, सीसीटीवी से निगरानी, सोशल मीडिया पर प्रशासन की नजर

सोनभद्र/दुद्धी। आगामी रजिस्टर के अनुसार ही सभी रूप से कार्यक्रम आयोजित किए

मुहर्रम पर्व को लेकर शनिवार को 4बजे दुद्धी महिला थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता एडिशनल एसपी त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने की।इस दौरान उप जिलाधिकारी निखिल यादव,क्षेत्राधिकारी राजेश राय,मौजूद रहे।बैठक में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों ने त्यौहार के दृष्टिगत नगर क्षेत्र में साफ-सफाई, नियमित बिजली आपूर्ति और अन्य समस्याओं को विस्तार से प्रशासन के समक्ष रखा। जिसके बाद संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। एडिशनल एसपी त्रिपाठी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि मुहर्रम पर्व पुराने परंपरागत तरीके से ही मनाया जाएगा।उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पूर्व निर्धारित त्योहार गतिविधियां संचालित होंगी।कोई नई परंपरा शुरू करने या माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया तो संबंधित व्यक्ति पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उपजिलाधिकारी निखिल यादव और सीओ राजेश राय ने बताया कि मुहर्रम पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे तथा पूरे आयोजन की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। प्रशासन की निगाह हर गतिविधि पर रहेगी खासकर अवांछनी तत्व और सोशल मीडिया पर ।इस मौके पर अखाड़ा समिति के सदर फतेह मुहम्मद खान ने मुहर्रम पर्व पर निकलने वाले अखाड़ों,ताजियाओं और सिप्पड़ों की संख्या एवं उनके मार्ग की जानकारी प्रशासन को दी। उन्होंने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी पारंपरिक जाएंगे।जय बजरंग अखाड़ा समिति के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रहरि ने बताया कि संकट मोचन मंदिर पर प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड पाठ व आरती होती हैं। यदि इसी दिन मुहर्रम का त्यौहार पड़ता है। तो उस समय हम दोनों समुदाय को बैठ कर रास्ता निकलना पड़ेगा।जिसपर दोनों समुदायों की आपसी सहमति बनी प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार सार्वजनिक रूप से शस्त्र प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।यदि कोई इसका उल्लंघन करता है,तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ताजियों की ऊंचाई,रूट और कार्यक्रम की समयावधि भी पूर्व निर्धारित रजिस्टर के अनुसार ही मान्य होगी।

चकबंदी के मामले में कमिश्नर से मिलेंगे भा कि यूः बिरजू कुशवाहा

सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र के भैसवार गांव मैं चकबंदी प्रक्रिया में

बड़े पैमाने पर गड़बड़ी को लेकर जमीन बचाओ धरना प्रदर्शन शनिवार को भी ग्राम भैसवार (सिमरी हवा) टोला बछनार बिरबाबा देवस्थान पर 32वां दिन भी रहा धरना जारी । इस धरने का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति जनपद सोनभद्र के ग्राम इकाई सदस्य राजाराम मौर्य जी कर रहे हैं भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति सोनभद्र के जिला अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा ने भैसवार के किसानों के साथ अन्याय के विरोध में आवाज उठाई । कुशवाहा ने बताया कि चकबंदी अनियमितता सिलसिले में कमिश्नर विंध्याचल मंडल से मुलाकात जल्द ही करेंगे । कुशवाहा ने बताया कि प्रथम चकबंदी 1987 में गजट हुआ। लेकिन 31 मार्च 1992 को तत्कालीन जिलाधिकारी अशोक कुमार ने भैसवार की चकबंदी रदकर दी थी। इसने कहा गया था कि फिर रि सर्वे कर के सरे नौ से चकबंदी कराई जाए लेकिन चकबंदी विभाग रिसर्वे न करके कार्य को आगे बढ़ाने लगे भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज? सिंह भाटी अपने ट्विटर पर लिखा की सोनभद्र में माह से जमीन के बंदर बाट को लेकर चल रहा धरना कोई सुनने वाला अनेक बार जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों से लगा चुके गुहार अब सिर्फ और सिर्फ योगी जी से ही है आश गांव वाले भू माफियाओं की ताकत के सामने हो चुके हैं । निराश कैसा है योगीराज जिसमें अन्नदाता है उदास। भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति सोनभद के जिला सचिव संजय कुमार यादव ने बताया कि हमारे मंडल के पदाधिकारी बहुत जल्द विंध्याचल मंडल कमिश्नर से बुधवार को यानी को करेंगे मुलाकात । इस धरना प्रदर्शन में ग्राम इकाई सदस्य राजा राम मौर्य जिला अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा ,जिला सचिव संजय कुमार यादव ,राजेश पाल , सुभाष मौर्य, रंजन मौर्य आदि भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

49 करोड़ से 20 किमी कोन लेगुड़वा सीसी मार्ग की भूमि पूजन सम्पन्न

सोनभद्र। जिले से झारखंड को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क कोन तेलगुड़वा मार्ग का योगी सरकार में स्टांप एवं पंजीय मंत्री व सदर विधायक ने किया भूमि पूजन। सड़क के बनने साफ हो गया है जो लगभग 7 मीटर चौड़ी सीसी रोड बनाई जाएगी जिसमें कुल लागत 49 करोड़ आने की बात कही गई। कोन - तेलगुड़वा मार्ग के निर्माण को लेकर शनिवार को भूमि भूपेश चौबे ने लगातार प्रयास किया जिसका आज परिणाम भी दिख रहा वही आगे 30 जून तक प्रदेश के हर छोटे -, छोटे कस्बे को जोड़ने वाली खराब हो चुकी सड़कों का भी प्रस्ताव

का रास्ता हुआ साफ। जिला खनिज फाउंडेशन न्यास द्वारा स्वीकृत क्षतिग्रस्त सड़क तेलगुड़वा से कोन होते हुए झारखंड सीमा मार्ग का 20 किमी तक सीसी एवं बीसी रोड के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। इस सड़क को लेकर लंबे समय से स्थानीय निवासी और जन प्रतिनिधियों समेत राहगीरों द्वारा बनाए जाने की मांग की जाती रही। तो जिले रॉबर्ट्सगंज विधायक भूपेश चौबे द्वारा इस ओर पहल की गई तो जनपद के प्रभारी मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने भी इस काम को लेकर जनपद के अधिकारियों समेत लखनऊ तक प्रयास की तो अब जाकर इस मार्ग के बनने का रास्ता साफ हो गया है।यह सड़क 20 किमी लंबी और तकरीबन 7 मीटर चौड़ी बनाई जाएगी। बनने वाली इस सड़क में 49 करोड़ रुपए की लागत आएगी। माना जा रहा कि इस मार्ग के बनने के बाद वर्षों से खराब और क्षतिग्रस्त हो चुकी इस सड़क से लोगों को निजात मिलेगी। वही सोनभद्र जनपद से झारखंड को जोड़ने वाला कोन - तेलगुड़वा मुख्य मार्ग के निर्माण का रास्ता अब साफ हो जाने से जिले लोगों के लिए बड़ी सौगात मानी जा रही। जिसका आज भूमि पूजन भी जनपद में आए प्रभारी मंत्री रविन्द्र जायसवाल व सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह सड़क कई वर्षों से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी जिस पर पैदल चलना भी कई जगह दूभर हो गया था तो वहीं आज हुए भूमि पूजन के बाद लोगों को जल्द बेहतर सड़क मिलने की उम्मीद भी जग गई है। बताते चलें कि इस सड़क की कुल दूरी 37 किमी बताई जाती है जबकि अभी 20 किमी सड़क बनने का रास्ता पूजन के दौरान भूपेश चौबे सदर विधायक (रॉबर्ट्सगंज) ने अपने संबोधन में कहा कि इस सड़क को लेकर स्थानीय लोग राहगीर और जनप्रतिनिधियों ने लगातार शिकायत की वही इसके निर्माण में हो रही देरी को लेकर मै व्यक्तिगत तौर पर भी व्यथित था जिसके बाद जिले के प्रभारी मंत्री रविन्द्र जायसवाल से इस संबंध में एक बैठक के दौरान चर्चा हुई और हुए सकारात्मक प्रयासों के बाद आज सफलता भी मिली है। इस सड़क निर्माण में अगर संबंधित ठेकेदार द्वारा मानक की अनदेखी की गई तो परिणाम बुरा होगा क्यों कि यहां के लोगों ने इसके खराब होने का कितना दंश झेला है यह मुझे मालूम है। इसके निर्माण की गुणवत्ता नेशनल हाईवे की तरह होगी जिसमें किसी के द्वारा की जाने वाली लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। विधायक भूपेश चौबे ने अपने संबोधन में बताया कि प्रदेश में सर्वाधिक राजस्व देने वाले जिलों में इस जनपद को जान जाता है तो तमाम खनिज संपदाओं से संपन्न इस जनपद में सड़क की इस स्थिति को हमने जिलाधिकारी से भी अवगत कराया था वहीं प्रभारी मंत्री रविन्द्र जायसवाल और डीएम बड़ीनाथ सिंह ने इसके निर्माण को लेकर मुहर लगाई जिसका परिणाम भी साफ दिखाई दे रहा। कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि रविन्द्र जायसवाल प्रभारी मंत्री, स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग बताया कि जिस प्रकार शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए योग जरूरी है उसी प्रकार शरीर को सुरक्षित रखने के लिए सड़कों का अच्छा होना भी जरूरी है अन्यथा व्यक्ति चोटिल हो जाता है। कोन तेलगुड़वा मार्ग जो काफी खराब था जिसे लेकर यहां के स्थानीय विधायक सीएम योगी ने मांगा है जिसे लेकर हम सब बैठक करेंगे और योजना बनाकर दी जाएगी जिससे कि यूपी की जो पहचान है बेहतर सड़कें विकसित प्रदेश उसपर काम किया जाए। हर गली और सड़क का इसके तहत निर्माण कराया जाएगा। जो ठेकेदार इसमें कोई लापरवाही करेंगे उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। विपक्ष पर हमला करते हुए बताया कि विपक्ष का काम है गुमराह करना। टेंडर पास होने की जानकारी होते ही श्रेय लेने के लिए विपक्ष के लोग गुमराह करने को लेकर प्रदर्शन करते हैं। विपक्ष के नेता वही है जो कई सड़कों का शिलान्यास किया किंतु लोकार्पण नहीं कर पाए । सरकार बदली किंतु लोकार्पण नहीं हुए किंतु यह सरकार शिलान्यास भी करती है और लोकार्पण भी होता है। बारिश के दिनों में सीसी रोड का कार्य बेहतर माना जाता है जो तय समय में पूरा करने का भी निर्देश दिया गया है। सड़क की पूरी दूरी 37 किमी है किंतु अभी 20 किमी का निर्माण कराया जा रहा बाकी बची हुई सड़क के निर्माण का भी रास्ता जल्द साफ हो जाएगा। विभागीय ट्रांसफर रोके जाने के संबंध में हमारे द्वारा किए गए सवाल के जवाब में रविन्द्र जायसवाल ने कहा की ट्रांसफर में मेरिट का ध्यान नहीं रखा गया है कुछ शिकायतें भी इसे लेकर मिली जिसके बाद जांच का आदेश दिया गया है जिसमें कोई दोषी पाया गया तो कार्रवाई होगी और नियमानुसार मेरिट के आधार पर ट्रांसफर लिस्ट जारी की जाएगी। कुछ दागी अफसरों को दी गई है मनचाही तैनाती जिस पर जांच कराई जा रही।

बभनी में झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तारःबिना लाइसेंस के इलाज कर रहे थे, कई बार शिकायत के बाद कार्रवाई

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र

के बरवाटोला गांव में एक झोलाछाप चिकित्सक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी मिहिर मालाकार उर्फ बंगाली पर बिना लाइसेंस के इलाज करने का आरोप है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक द्वारा शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। अधीक्षक ने बताया कि आरोपी बिना किसी लाइसेंस के सुई और दवाएं दे रहा था। इससे पहले नवंबर में उसकी बचरा गांव की दुकान को सील किया गया था।आरोपी ने चेतावनी के बावजूद अपनी गतिविधियां जारी रखीं। वह दवा कारोबार की आड़ में लोगों को ठगता रहा। ग्रामीणों ने कई बार उच्चाधिकारियों से इसकी शिकायत की। चिकित्सकों द्वारा दी गई चेतावनियों का भी उस पर कोई असर नहीं हुआ। बभनी थाने के प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) बी एन एस और 15(3) आई एम सी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

क्या बीजेपी शासित राज्य में खत्म होगी फ्री की रेवड़ियां.. अमित शाह ने बताया पर्सेंट वाला प्लान

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा कि सरकार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है। कश्मीर में हालात सामान्य हो रहे हैं और विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं। पहलगाम हमले पर बात करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सरकार की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। सरकार कश्मीर, नक्सल प्रभावित इलाके और पूर्वोत्तर में उग्रवाद के कारणों को खत्म करने की कोशिश कर रही है। इस दौरान उन्होंने सरकारों की ओर से मुफ्त में दी जाने वाली चीजों को लेकर भी जवाब दिया। अमित शाह ने बताया कि पीएम मोदी की सरकार समस्याओं का स्थायी समाधान निकालने पर ध्यान देती है। उनका लक्ष्य है कि हर योजना का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार नई योजनाएं शुरू करने के बजाय पुरानी योजनाओं को बेहतर बनाने और उन्हें आगे बढ़ाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 3.65 करोड़ घरों से लेकर 13 करोड़ गैस कनेक्शन तक, हर चीज को पूरी तरह से लोगों तक पहुंचाना है।क्या बीजेपी शासित राज्य में खत्म होगी फ्री की रेवड़ियां? अमित शाह ने इस पर पर्सेंट वाले प्लान की जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमारी राजनीतिक प्रणाली काफी लचीली है। इस पर सियासी तौर पर विवेकपूर्ण फैसला लिया जाएगा। यह कहना बहुत जल्दबाजी होगी कि कब और कैसे होगा। बीजेपी शासित राज्यों में, हम स्पष्ट हैं कि मुफ्त की चीजें यानी फ्रीबीज बजट के एक निश्चित पर्सेंट से अधिक नहीं होना

चाहिए।अमित शाह ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, लेकिन अभी भी 8 फीसदी की ग्रोथ से पीछे है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में भारत की ग्रोथ ग्लोबल ग्रोथ से बहुत अलग नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की टॉप-10 अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है, इसलिए ग्रोथ रेट उसी रेंज में होगी।शाह ने कहा कि हर अर्थव्यवस्था ने महामारी के बाद कम ग्रोथ देखी। लेकिन, भारत ने न केवल अपनी ग्रोथ को बनाए रखा, बल्कि पिछले 7-8 सालों से सबसे तेजी से बढ़ती इकोनॉमी भी रहा है। अब भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी बनने का लक्ष्य रख रही है। इसलिए, इस स्पीड की तुलना दूसरे देशों की जीडीपी से ही की जा सकती है।अमित शाह ने कहा कि एफडीआई का फ्लो बढ़ा है, लेकिन काफी पैसा बाहर भी गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में हमें रूढ़िवादी नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्यादातर पैसा भारतीय कंपनियों की ओर से विदेशों में किए गए इन्वेस्टमेंट से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि क्या भारतीय कंपनियों को ग्लोबल नहीं बनना चाहिए? हमें नेगेटिव माहौल नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत एक मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है। इसलिए, इन्वेस्टमेंट भारतीय कंपनियों की सुविधाओं के साथ भारत और दूसरी जगहों पर जा रहा है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत 10वें से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। ये 2.03 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 4.19 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। इस समय पूंजीगत व्यय रु1.9 लाख करोड़ से बढ़कर रु10.46 करोड़ है। प्रति व्यक्ति आय 68,572 रुपये से बढ़कर 133,488 रुपये है। अब एफडीआई की वृद्धि अभूतपूर्व 143 फीसदी रही है, जो $308 बिलियन से बढ़कर $749 बिलियन हो गई है। मुद्रास्फीति की औसत दर 10.1फीसदी से घटकर 4.6 फीसदी हो गई है।अमित शाह ने रोजगार के मुद्दे पर विपक्ष के सवालों पर तगड़ा रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के प्रदर्शन का कोई भी ईमानदार आकलन हमेशा तुलनात्मक होता है। मेरा मानना है कि हमने यूपीए सरकार की तुलना में चार गुना अधिक रोजगार सृजित किए हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 से यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है कि विकास के फल समान रूप से फैले। किसने सोचा होगा कि असम में एक सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए 27,000 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट होगा। मैं पूर्वोत्तर परिषद का प्रमुख हूं और मुझे आपको बताने दें कि इन्वेस्टमेंट और विकास के लिए जमीन तैयार है। याद रखें, एक भूभाग के रूप में, पूर्वोत्तर उत्तर प्रदेश से बड़ा है।अमित शाह ने कहा कि जीएसटी की वजह से सभी राज्यों का विकास बराबर हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले अगर कोई सामान गुजरात में बनता था और कोलकाता में बिकता था, तो 12-16 फीसदी ट्रांसपोर्ट कॉस्ट को हाई सेल्स टैक्स रेट से पूरा किया जाता था। लेकिन, अब कॉमन रेट की वजह से ट्रांसपोर्ट कॉस्ट एक्स्ट्रा है, जिसकी वजह से बिजनेस लोकल मैन्युफैक्चरिंग में इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेस्ट बंगाल, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और दूसरे राज्य जो मैन्युफैक्चरिंग में पीछे थे, अब उन्हें फायदा हो रहा है।

अरुणाचल की लड़की को 'कोरियन-नेपाली' बोलकर छेड़ा, सोचा कुछ नहीं बोलेगी, उसने 2 मिनट में दोनों को सीधा कर दिया!

मध्य प्रदेश। इंदौर से एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें अरुणाचल प्रदेश की एक लड़की और दो स्थानीय

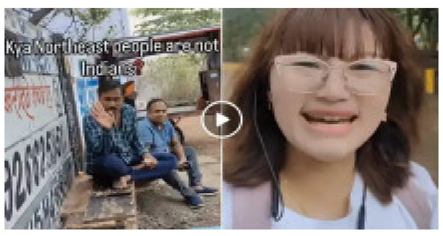

लोगों के बीच तीखी बहस देखी जा सकती। आरोप है कि उन्होंने लड़की को देखकर 'कोरियन' और 'नेपाली' कहा, जिससे मामला गरमा गया। लड़की ने आपत्ति जताते हुए कहा कि वह भारतीय है और अरुणाचल प्रदेश से है, बार-बार इस तरह की पहचान को गलत ठहराना नस्लभेदी व्यवहार है। जवाब में दोनों ने पहले मजाक में बात टालने की कोशिश की, लेकिन मामला बढ़ता चला गया। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि उत्तर-पूर्व के लोगों को अब भी देश के बाकी हिस्सों में क्यों अलग नजरों से देखा जाता है। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने लड़की का समर्थन किया और नस्लभेदी टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। कई यूजर्स ने यह भी कहा कि देश को एकता का पाठ स्कूल में ही नहीं, समाज में भी रोज पढ़ाना होगा।यह वीडियो 20 जून को एक्स हैंडल @Arhant Shelby से पोस्ट किया गया, जिसे 3 लाख 69 हजार व्यूज और 10 हजार लाइक्स मिल चुके हैं। साथ ही, सैकड़ों यूजर ने इस मुद्दे पर अपनी राय कमेंट बॉक्स में साझा की है। बता दें कि इस क्लिप को शेयर करते हुए कैप्शन लिखा गया- मध्य प्रदेश के इंदौर में अरुणाचल की लड़की और लोकल लड़कों के बीच 'कोरियन-नेपाली' कहने पर हुआ कलह। वहीं, वीडियो पर कैप्शन लिखा है- क्या नॉर्थ-ईस्ट के लोग भारतीय नहीं हैं?यह क्लिप लगभग 2 मिनट की है। इसमें एक महिला चाय की टपरी पर बैठे दो पुरुषों की ओर कैमरा घुमाते हुए कहती है - एक लिमिट होता है... और हां, अगर मैं नेपाली हूं, मैं कोरियन हूं, मैं कहीं से भी हूं... आपको दिक्कत कहां से आ रही है? इस पर दोनों में से एक बंदा जवाब देता है - हमें कोई दिक्कत नहीं। महिला फिर पूछती है- तो फिर क्यों बोल रहे हो? लेकिन दोनों अपनी गलती मानने से इनकार कर देते हैं। महिला कहती है - मैं यही रहती हूं और रोज यहीं से जाती हूं। आपको क्या दिक्कत है जो आप मुझे बार-बार कोरियन-नेपाली बोलते हो? जब दोनों शख्स उसकी बातों को झूठा बताने लगते हैं, तो महिला गुस्से में कहती है - ओ प्लीज... झूठ बोलना बंद करो। मेरे कान नहीं हैं क्या? मुझे सुनाई नहीं देता या समझ नहीं आता?बहस चलती रहती है। उनमें से एक शख्स फुर्ती में हाथ जोड़ते हुए कहता है - ओ... मैडम, हमारी गलती है। हम अपनी बात कर रहे थे, आपकी नहीं। नेपाली मेरे बहुत से दोस्त हैं। इस पर महिला और भड़क जाती है और कहती है - यादा झूठ मत बोलो... एक थप्पड़ मारूंगी। थोड़ा सोच-समझकर बोला करो। हमारा चेहरा ऐसा हो गया तो क्या हम इंडियन नहीं हैं? की आप वीडियो देख लीजिए।इस मामले पर सोशल मीडिया यूजर्स ने महिला का समर्थन करते हुए नस्लभेदी टिप्पणी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। @urs_099 ने कमेंट किया - इसलिए शिक्षा जरूरी है। @maddified18 ने लिखा- नॉर्थ-ईस्ट के लोगों की इज्जत करो। @itsekant लिखते हैं- ना जाने कहाँ से आते हैं ऐसे लोग? यूपी, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हिमाचल, हरियाणा, पंजाब, गुजरात और महाराष्ट्र से आते हैं ऐसे लोग। जिन्हें जितना भी पढ़ा लो, समझा लो, पर उनके दिमाग में से ये मानसिकता निकालना असंभव है। वहीं @IndoriVishal ने लिखा- एक इंदौरी होने के नाते मैं माफी मांगता हूं। वैसे इस पूरे मामले पर आपकी क्या राय है? कमेंट में बताइए। फिलहाल पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन घटना ने ऑनलाइन गुस्से की आग जरूर भड़का दी है। और हां, घटना कब की है इसकी पुष्टी नहीं हुई है। पर यह क्लिप इंटरनेट पर चर्चा का विषय जरूर बन गया है।

अहमदाबाद हादसा-एअर इंडिया के 3 अफसरों को हटाने का आदेशःडीजीसीए ने एयरलाइन से 10 दिन में रिपोर्ट मांगी; हादसे में 270 मौतें हुई थीं

नयी दिल्ली। अहमदाबाद हादसे के बाद डीजीसीए ने शनिवार को एअर

इंडिया को 3 अफसरों को हटाने का आदेश दिया। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं।तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई। डीजीसीए ने एअर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया। उधर, एअर इंडिया ने कहा कि डीजीसीए के आदेश को लागू कर दिया गया है। कंपनी के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर अगले आदेश तक इंटीग्रेटेड ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर की सीधी निगरानी करेंगे। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, आदेश 20 जून को दिया गया था, जो आज सामने आया। यह फैसला अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे के बाद लिया गया। लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई -171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। प्लेन मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से टकराया था, जिससे यात्रियों समेत कुल 270 लोग मारे गए थे।नियमों के खिलाफ जाकर क्रू पेयरिंग करना। अनिवार्य उड़ान अनुभव और लाइसेंसिंग नियमों का उल्लंघन करना। शेड्यूलिंग प्रोटोकॉल का पालन नहीं करना।एअर इंडिया इन धिकारियों को क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़ी सभी जिम्मेदारियों से तत्काल हटाए। इन अधिकारियों के खिलाफ इंटर डिसिप्लिनरी एक्शन तुरंत शुरू करे। 10 दिन में डीजीसीए को रिपोर्ट दे। इन अधिकारियों को जब तक सुधारात्मक प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक नॉन-ऑपरेशनल पदों पर ट्रांसफर किया जाए और इन्हें किसी भी फ्लाइट सेफ्टी या क्रू अनुपालन जुड़ी पोस्ट पर काम करने की परमिशन न दी जाए। भविष्य में क्रू शेड्यूलिंग, लाइसेंसिंग या फ्लाइट समय से जुड़े किसी भी नियम का उल्लंघन पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें जुर्माना, लाइसेंस निलंबन या ऑपरेटर परमिशन कैंसिल करना शामिल हो सकता है।एयर इंडिया की फ्लीट में 33 बोइंग 787- 8/9 विमान हैं। हालांकि पिछले 10 दिन से लगातार इसकी फ्लाइट्स कैंसिल हो रही हैं। 12 से 17 जून के बीच एअर इंडिया ने बोइंग 787 की फ्लाइट्स को मिलाकर 69 उड़ानें रद्द कीं। 18 जून को 3 और 19 जून को 4 फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। 20 जून को 8 फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। कुल मिलाकर 20 जून तक 9 दिन में 84 फ्लाइट्स रद्द हुईं। 19 जून को ही वियतनाम जा रहे एअर इंडिया के एआई388 (एयरबस ए320 नियो विमान) को बीच रास्ते से दिल्ली बुलाया गया। प्लेन में तकनीकी खामी का पता चला था। इसके अलावा, दिल्ली से पुणे जा रही एक फ्लाइट से पक्षी टकरा गया था, जिसके चलते विमान की रिटर्न जर्नी कैंसिल कर दी गई थी।

सोनिया बोलीं-ईरान पुराना दोस्त, भारत की चुप्पी परेशान कर रहीःइजराइल के हमलों पर सरकार को मजबूती से बोलना चाहिए, अभी देर नहीं हुई

नयी दिल्ली। कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की है। उन्होंने द हिंदू में एक आर्टिकल में लिखा कि इजराइल खुद परमाणु शक्ति है, लेकिन ईरान को परमाणु हथियार न होने पर भी टारगेट किया जा रहा है। ये इजराइल का दोहरा मापदंड है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान भारत का पुराना दोस्त रहा है और ऐसे हालात में भारत की चुप्पी परेशान करने वाली है। गाजा में हो रही तबाही और ईरान में हो रहे हमलों को लेकर भारत को स्पष्ट, जिम्मेदार और मजबूत आवाज में बोलना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है।सोनिया गांधी ने कहा कि 13 जून 2025 को इजराइल ने ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए एकतरफा हमला किया, जो गैरकानूनी और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरनाक है। कांग्रेस ईरान में हो रहे इन हमलों की निंदा करती है, जिनसे क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर गंभीर अस्थिरता और टकराव बढ़ सकता है। गाजा पर हमले की तरह यह इजराइली ऑपरेशन भी क्रूर और एकतरफा है, जो आम नागरिकों की जान और क्षेत्रीय स्थिरता को पूरी तरह नजरअंदाज करते हुए चलाया गया। ऐसे कदम सिर्फ अस्थिरता को बढ़ाते हैं और आगे आने वाले समय में बड़े संघर्ष के बीज बोते हैं। यह हमला उस समय हुआ जब ईरान-अमेरिका के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी थी और इसके अच्छे संकेत भी मिल रहे थे। इस साल पांच दौर की बातचीत हो चुकी है और जून में छठे दौर की बातचीत होनी थी। मार्च में ही अमेरिका के नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने संसद में बताया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने पर काम नहीं कर रहा है। 2003 में इस प्रोग्राम को सस्पेंड किए जाने के बाद से अब तक ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने इसे दोबारा शुरू करने की अनुमति भी नहीं दी है।सोनिया ने कहा कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लीडरशिप में इजराइल ने लगातार शांति भंग करने और आतंक को बढ़ावा देने का काम किया है। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनकी सरकार लगातार अवैध सेटलमेंट को विस्तार दे रही है, अति-राष्ट्रवादी लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है और टू-स्टेट सॉल्यूशन को पूरी तरह नकार रही है। इससे न सिर्फ फिलिस्तीनी लोगों को तकलीफ बढ़ी, बल्कि पूरा इलाका ही लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की तरफ धकेल दिया गया। इतिहास हमें बताता है कि नेतन्याहू ने ही उस नफरत को हवा दी थी, जिसके चलते 1995 में इजराइल के प्रधानमंत्री यित्झाक राबिन की हत्या हुई थी और फिलिस्तीनियों और इजराइलियों के बीच शांति की सबसे बड़ी उम्मीद खत्म हो गई थी।

महिला को 8 दिन तक होती रही उल्टियां, पीरियड्स में भी परेशानी... डॉक्टरों ने पेट से निकाली 10 किलो की गांठ

मुंबई। क्रॉफर्ड मार्केट इलाके में रहने वाली एक 40 वर्षीय

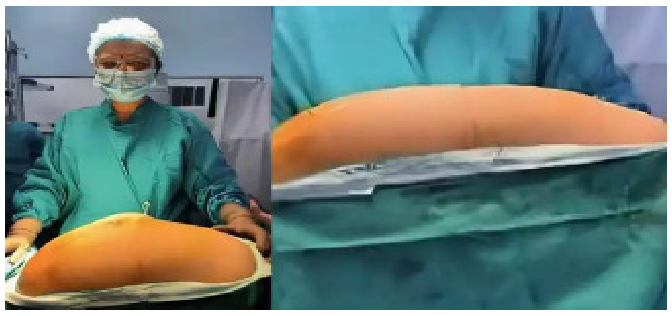

अविवाहित महिला मीन सोलंकी के पेट में लगातार बढ़ रही एक गांठ उनके जीवन के लिए खतरा बन चुकी थी। सेंट जॉर्ज अस्पताल में जांच के दौरान सामने आया कि गांठ ने आंत, लीवर, फेफड़े और दिल जैसे अहम अंगों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग के डॉक्टरों की टीम ने चार घंटे तक चले ऑपरेशन में 10.4 किलो वजन की गांठ को सफलतापूर्वक बाहर निकाला। अब मीन की हालत स्थिर है, उन्हें प्रोटीन युक्त आहार दिया जा रहा है और वे अब वार्ड में चलने-फिरने लगी हैं।करीब डेढ़ साल पहले, एक मामूली हादसे में टेबल का कोना मीन के पेट में लग गया था। दर्द शुरू हुआ तो शुरुआती इलाज से थोड़ी राहत तो मिली, लेकिन समय के साथ पेट का आकार बढ़ने लगा। पीरियड्स में भी परेशानी आने लगी। मई में हालात इतने बिगड़े कि मीन ने खाना बंद कर दिया और लगातार आठ दिन तक उल्टियां होती रहीं। कमजोरी इतनी बढ़ गई कि वे बिस्तर से उठ भी नहीं पा रही थीं। आखिरकार, एक समाजसेवक की मदद से मीन के भाई रमेश सोलंकी उन्हें सेंट जॉर्ज अस्पताल लेकर गए।जांच में सामने आया कि मीन के पेट में एक विशाल गांठ है, जो शरीर के कई अंगों से चिपकी हुई थी और कभी भी फट सकती थी। सर्जरी की कमान सेंट जॉर्ज अस्पताल की यूनिट हेड और वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. राजश्री कटके ने संभाली। ऑन्कोसर्जन डॉ. कोरेश, डॉ. शुभांगी, और एनेस्थेसिया विशेषज्ञ डॉ. पौर्णिमा सोनकांबळे और डॉ. रूची के सहयोग से ऑपरेशन सफल रहा और गांठ को निकाल लिया गया। चार घंटे लंबे ऑपरेशन के बाद यह खतरनाक गांठ निकाली गई। ऑपरेशन के बाद मीन को दो दिन आईसीयू में रखा गया।मीन के भाई रमेश सोलंकी ने बताया कि डॉक्टर भगवान नहीं हैं, पर भगवान से कम भी नहीं हैं। मेरी बहन को हमने लगभग खो ही दिया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे दोबारा जीवन दिया। सेंट जॉर्ज अस्पताल के डॉ. राजश्री कटके के अनुसारन मरीज सर्जरी के लिए तैयार नहीं थी। पहले डॉक्टरों ने उसकी और उसके परिवार की काउंसलिंग की, फिर यह जटिल ऑपरेशन किया गया।

इलेक्शन कमीशन बोला- पोलिंग सेंटर की फुटेज सार्वजनिक नहीं कर सकतेःइससे वोटर को खतरा; राहुल बोले- जिससे जवाब चाहिए, वो सबूत मिटा रहा

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि वोटिंग सेंटर्स की वेबकास्टिंग की सीसीटीवी फुटेज

शेयर करना सही नहीं है। इससे वोटर्स, ग्रुप की पहचान करना आसान हो जाएगा। वोट देने वाले और वोट न देने वाले दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव, भेदभाव और धमकी का शिकार हो सकते हैं।आयोग ने कहा- सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के कानूनी प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन होगा। आयोग का ये जवाब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली होने के दावे पर सीसीटीवी फुटेज शेयर करने की मांग पर आया है। आयोग ने उदाहरण देते हुए कहा- किसी विशेष राजनीतिक दल को किसी विशेष बूथ पर कम वोट मिलते हैं, तो वो सीसीटीवी फुटेज के जरिए बड़ी ही आसानी से पहचान कर सकेगा कि किसने उन्हें वोट दिया और किसने नहीं। इसके बाद वोट न देने वालों को परेशान किया जा सकता है। इससे पहले शनिवार दोपहर राहुल गांधी ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा- वोटर लिस्ट? Machine-readable फॉर्मेट नहीं देंगे। सीसीटीवी फुटेज? कानून बदलकर छिपा दी। चुनाव की फोटो-वीडियो? अब 1 साल नहीं, 45 दिनों में ही मिटा देंगे। जिससे जवाब चाहिए था - वही सबूत मिटा रहा है। साफ दिख रहा है- मैच फिक्स है, और फिक्स किया गया चुनाव, लोकतंत्र के लिए जहर है।दरअसल, चुनाव आयोग ने तय किया है कि अब चुनावों के दौरान खींची गई फोटो, सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग और वीडियो रिकॉर्डिंग सिर्फ 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखी जाएंगी। इसके बाद सारा डेटा डिलीट कर दिया जाएगा। EC ने 30 मई को सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजे को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जाती है, तो 45 दिन बाद ये सारा डेटा नष्ट कर दिया जाए। फैसला फुटेज के दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों को रोकने के लिए लिया गया है। EC का कहना है कि हाल ही में कुछ गैर-उम्मीदवारों ने चुनावी वीडियो को तोड़-मरोड़कर गलत नैरेटिव फैलाने की कोशिश की, जिससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हुई। कांग्रेस ने आयोग के इस नियम का विरोध किया है। पार्टी ने कहा कि पहले एक साल तक इस डेटा को सेफ रखा जाता था, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कभी भी इसकी जांच हो सके। आयोग का यह नियम पूरी तरह से लोकतंत्र के खिलाफ है। इसे तुरंत वापस लेना चाहिए।इससे पहले 20 दिसंबर 2024 को केंद्र सरकार ने चुनाव नियम बदलकर पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक करने से रोक दिया था। चुनाव आयोग ने कहा कि वोटिंग और मतगणना जैसे चुनावी चरणों की रिकॉर्डिंग का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। यह काम आंतरिक निगरानी और पारदर्शिता के लिए किया जाता है, लेकिन इन रिकार्डिंग्स का इस्तेमाल गलत नैरेटिव के लिए भी किया जाता रहा है। इसलिए इन्हें लंबे समय तक रखने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। अब तक चुनाव से जुड़ी रिकॉर्डिंग एक साल तक संभाल कर रखी जाती थी, ताकि जरूरत पड़ने पर कोई कानूनी जांच हो सके।20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव के नियमों में बदलाव किया था। अधिकारियों ने बताया कि एआई के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल- 1961 के नियम में बदलाव किया था। हालांकि कांग्रेस ने चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स पब्लिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।कांग्रेस ने चुनाव आयोग के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि यह कदम लोकतंत्र और पारदर्शिता के खिलाफ है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 'चुनाव आयोग और मोदी सरकार मिलकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने में लगे हैं। पहले दस्तावेजों को जनता से छिपाया गया, अब रिकॉर्ड ही मिटाए जा रहे हैं। आयोग को यह आदेश तुरंत वापस लेना चाहिए।'

अंतरिक्ष में पहली बार इंसुलिन और ब्लड-शुगर पर होगा रिसर्चःएक्सिओम-4 मिशन में एस्ट्रोनॉट पहनेंगे ग्लूकोज मॉनीटर; इससे डाइबिटीज के इलाज में भी मदद मिलेगी

नयी दिल्ली। एक्सिओम-4 मिशन डाइबिटीज के मरीजों के

लिए अंतरिक्ष की यात्रा करने की उम्मीद की किरण लेकर आया है। ऐसा इसलिए क्योंकि यूएई की हेल्थ सर्विस प्रोवाइडर बुर्जील होल्डिंग्स माइक्रोग्रैविटी में ग्लूकोज के व्यवहार पर एक रिसर्च कर रही है। एक्सिओम-4 मिशन के तहत सूट राइड एक्सपेरिमेंट के एक हिस्से के रूप में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला समेत बाकी लोग ऑर्बिटल लैब में 14 दिन लगातार ग्लूकोज मॉनिटर पहनेंगे। अबू धाबी की बुर्जील होल्डिंग्स के सीएमओ मोहम्मद फितयान ने पीटीआई को बताया कि वे बस यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान ब्लड शुगर के लेवल में कोई बदलाव या उतार-चढ़ाव होता है या नहीं। माइक्रोग्रैविटी में ग्लूकोज और इंसुलिन के व्यवहार के अध्ययन से वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष यात्रियों और उन रोगियों के लिए वियरेबल टेक्नीक बनाने में मदद मिलेगी जो बिस्तर पर पड़े हैं या लकवा जैसी बीमारियों के कारण कम मूवमेंट कर पाते हैं। इसके अलावा अंतरिक्ष यात्री इंसुलिन पेन भी साथ ले जाएंगे, जो अलग-अलग तापमान में रखे होंगे, जिससे यह देखा जा सके कि माइक्रोग्रैविटी में इंसुलिन के अणुओं पर क्या असर पड़ता है।नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन इंसुलिन लेने वाले डाइबिटीज के रोगियों को अंतरिक्ष में जाने की परमिशन नहीं देता है। हालांकि इंसुलिन न लेने वाले डाइबिटीज के रोगियों के लिए कोई आधिकारिक मनाही नहीं है, लेकिन अभी तक कोई भी शुगर पेशेंट एस्ट्रोनॉट ने अंतरिक्ष की यात्रा नहीं की है। इसके अलावा एक्सिओम मिशन-4 के दौरान 60 प्रयोग किए जाने हैं, जिनमें 7 भारतीय वैज्ञानिकों ने डेवलप किए हैं??। इसमें माइक्रोग्रैविटी में स्प्राउट्स का अंकुरण, फसलों के बीजों पर रिसर्च, एल्गी पर माइक्रोग्रैविटी और रेडिएशन का असर जैसे रिसर्च प्रोजेक्ट शामिल हैं।डाइबिटीज से जूझ रहे अंतरिक्ष यात्रियों को भविष्य में स्पेस मिशन की मंजूरी मिलने की संभावना बढ़ सकती है। एआई बेस्ड पूर्वानुमान मॉडल तैयार होंगे जो इंसुलिन जरूरतों और मेटाबोलिक बदलावों को रियल टाइम में ट्रैक कर सकेंगे। यह रिसर्च दूरदराज के इलाकों में डायबिटीज देखभाल को बेहतर बनाने और टेली-हेल्थ सर्विस में मददगार हो सकता है। यह रिसर्च इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने वाली नई दवाओं के विकास और बैठे-बैठे कसरत जितना असर रखने वाली दवाएं खोजने में भी मदद करेगा।29 मई, 8 जून, 10 जून, 11 जून, 12 जून और 22 जून को भी लॉन्चिंग शेड्यूल थी, सर्विस प्रोवाइडर बुर्जील होल्डिंग्स माइक्रोग्रैविटी में ग्लूकोज के व्यवहार पर एक रिसर्च कर रही है। एक्सिओम-4 मिशन के तहत सूट राइड एक्सपेरिमेंट के एक हिस्से के रूप में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला समेत बाकी लोग ऑर्बिटल लैब में 14 दिन लगातार ग्लूकोज मॉनिटर पहनेंगे। अबू धाबी की बुर्जील होल्डिंग्स के सीएमओ मोहम्मद फितयान ने पीटीआई को बताया कि वे बस यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान ब्लड शुगर के लेवल में कोई बदलाव या उतार-चढ़ाव होता है या नहीं। माइक्रोग्रैविटी में ग्लूकोज और इंसुलिन के व्यवहार के अध्ययन से वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष यात्रियों और उन रोगियों के लिए वियरेबल टेक्नीक बनाने में मदद मिलेगी जो बिस्तर पर पड़े हैं या लकवा जैसी बीमारियों के कारण कम मूवमेंट कर पाते हैं। लेकिन आईएसएस केँ र्नें सर्विस मॉड्यूल के पिछले हिस्से में हाल ही में हुए मरम्मत कार्य की समीक्षा और सुरक्षा जांच के लिए इसे अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया। एक्सिओम-4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

मंडेला से सीखें दृढ़ निश्चय की ताकत,दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं स्किल है

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के ट्रांसकेई में एक छोटा-सा गांव था-म्वेजो। वहीं एक गरीब जनजातीय परिवार में 1918 में नेल्सन मंडेला का जन्म हुआ। बचपन से ही उन्होंने भेदभाव और अन्याय झेला। कॉलेज में पढ़ते वक्त जब उन्होंने देखा कि अश्वेतों को इंसान नहीं, गुलाम समझा जाता है तो उन्होंने तय कर लिया कि वो इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। इसके लिए उन्हें बार-बार जेल भेजा गया, प्रताड़ित किया गया और अंत में तो 27 साल तक कालकोठरी में बंद कर दिया गया। मगर मंडेला न डरे, न झुके, न टूटे। जेल की सलाखों के पीछे भी वे हर दिन खुद से कहते रहे- मेरा संघर्ष सही है, मेरी लड़ाई रंगभेद के खिलाफ है और एक दिन हमें आजादी जरूर मिलेगी। सोचिए ऐसी कौन-सी ताकत थी, जो 27 साल तक उन्हें जेल में भी उन्हें नहीं तोड़ सकी? उसका जवाब है- दृढ़ निश्चय। वो निश्चय, जो हर दिन उन्हें जगा देता था, जो उन्हें अपने लक्ष्य से भटकने नहीं देता था और जिसने उन्हें नायक बना दिया। 'दृढ़ निश्चय' यानी डिटर्मिनेशन। हम समझेंगे कि सफलता में दृढ़ निश्चय की भूमिका कितनी अहम है और इसे कैसे अपने भीतर मजबूत किया जा सकता है। जो ठान लो, वो करके दिखाओ- यही है दृढ़ निश्चय, दृढ़ निश्चय का मतलब है, अपने फैसले पर अडिग रहना, चाहे हालात जैसे भी क्यों न हों। ऐसे लोगों के इरादे, मौसम की तरह बदलते नहीं हैं। उन्हें हमेशा अपनी मंजिल दिखती रहती है, चाहे रास्ते में कितनी भी कठिनाई आए।दृढ़ निश्चय ऐसी पावर है, जो आपको लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है, फिर चाहे रास्ते में कितनी भी बाधाएं आएं। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग मुश्किल हालात में भी अपने गोल्स से नहीं भटकते हैं, उनके दिमाग में 'ऐन्टीरियर सिंग्युलेट कॉर्टेक्स' ज्यादा सक्रिय रहता है। ये दिमाग का वो हिस्सा है, जो हमें फोकस बनाए रखने, दबाव में निर्णय लेने और बड़े लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है।आत्मविश्वास रखिये आप असफलताओं से डरना बंद कर देते हैं।, धैर्य जिससे आप लंबे समय तक मेहनत करने को तैयार रहते हैं।, निर्णय क्षमता जिससे आप कठिन परिस्थितियों में बेहतर फैसले लेते हैं। अवसर जिससे यह आपको रुकावटों को अवसरों में बदलने की ताकत देता है।दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि एक स्किल है, जिसे अभ्यास से डेवेलप किया जा सकता है। इसके 4 आसान तरीके हैं, अपने सपने को स्पष्ट करें। यह नौकरी, बिजनेस, या सामाजिक बदलाव हो सकता है। हर दिन पूछें: 'मैं यह क्यों चाहता हूं?' मंडेला का 'व्हाई' था- समानता। आपका 'व्हाई' आपको भटकने नहीं देगा। .असफलता को विराम समझें न की हार, हार अंत नहीं, एक पड़ाव है। मंडेला ने 27 साल जेल में बिताए, लेकिन इसे खत्म नहीं माना। हर असफलता से सीखें और आगे बढ़ें। हर हार के बाद लिखें मैंने इससे क्या सीखा? बड़ा सोचें और धीरे चलें मंडेला का लक्ष्य सिर्फ अपनी आजादी नहीं, पूरे देश की आजादी था। बड़ा लक्ष्य आपको प्रेरित रखता है, लेकिन छोटे कदम आपको वहां ले जाते हैं।क्या करें: अपने लक्ष्य को 5 साल, 1 साल और 1 महीने के टुकड़ों में बांटें।हर किसी की जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है, जब हालात पूछते हैं- अब क्या करोगे? वहीं से आपकी सच्ची कहानी शुरू होती है।खुद से ये 5 बातें रोज कहें मेरा लक्ष्य बड़ा है, इसलिए मेरी राह भी कठिन होगी।मैं मुश्किलों से नहीं डरता, मैं उनसे सीखता हूं।हर असफलता मुझे एक कदम मजबूत बनाती है।मुझे कोई नहीं रोक सकता, जब तक मैं खुद न रुकूं।मैं अपनी कहानी का नायक हूं, हार नहीं मानूंगा।दृढ़ निश्चय वाले लोग दूसरों को भी प्रेरित करते हैं, जैसे मंडेला ने किया।उदाहरण के लिए ऐसे समझें कि मंडेला ने जेल में भी पढ़ाई की, पत्र लिखे और अपने साथियों को संगठित किया। उनका निश्चय सिर्फ उनकी जीत नहीं, बल्कि पूरे देश की जीत बना।दुनिया को दिखाएं कि आप क्या कर सकते हैंदृढ़ निश्चय ही आपके सपनों को हकीकत में बदल सकता है। यह आपको मंडेला की तरह नायकों की कतार में खड़ा कर सकता है। आज से ही शुरू करें, खुद से छोटा सा वादा करें और अपना लक्ष्य स्पष्ट करके उसकी तरफ छोटे-छोटे कदमों से बढ़ना शुरू करें।

डाउनसाइजिंग का अपना ही अपसाइड भी होता है!

कुछ साल पहले जब मेरी बेटी की शादी होने वाली थी, तो मेरी

पत्नी ने मुख्य हॉल में हमारे 28 साल पुराने फर्नीचर को बदलने का फैसला किया। हालांकि मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं था। मैं उस फर्नीचर से दो कारणों से भावनात्मक रूप से जुड़ा था।1. वे किसी यूज-एंड-थ्रो शोरूम से नहीं लाए गए थे कि उनकी लकड़ी टूट गई हो या रंग फीका पड़ गया हो। वे ठोस साग की लकड़ी से बने थे।2. वे हमारे संघर्ष के दिनों की कई यादों को बयां करते थे, जब हमने बहुत सोच-विचार और चर्चाओं के बाद उन्हें एक-एक कर बनवाया था। इसलिए वे अलग दिखाई देते थे। जाहिर है कि वे एक फर्नीचर-सेट की तरह नहीं दिखते थे और इसके बजाय समय-समय पर जुटाई गई चीजों की तरह नजर आते थे।यही मुख्य कारण था कि मेरी पत्नी उन्हें बदलकर एक ही डिजाइन वाला फर्नीचर-सेट चाहती थी। डिजाइनर ने ऑर्डर लिया और चला गया। लेकिन नया फर्नीचर आने तक उसने हमें पूरा हॉल खाली करने का काम सौंप दिया।यह मेरे लिए एक मुश्किल चुनौती थी। सौभाग्य से, हम एक ऐसी स्त्री को जानते थे जो अपने करियर में संघर्ष कर रही थीं और मुंबई शिफ्ट होने जा रही थीं। उनका तलाक हो चुका था और वे आर्थिक रूप से इतनी मजबूत नहीं थीं कि अपने घर को उसी स्तर पर फिर से बना सकें, जैसे घर में उनके वैवाहिक जीवन के दौरान वे और उनके दो बच्चे रहते थे।एक मामूली नौकरी के साथ बच्चों को वह सुविधा देना उनके लिए कठिन था। हमने अपना फर्नीचर बदलने का फैसला करने से पहले ही उनसे यह वादा कर दिया था कि हम सेटल होने में उनकी मदद करेंगे। उनके सेटल-डाउन होने के लगभग दो सालों के दौरान उन्होंने हमसे कुछ सामान लिया, लेकिन सभी नहीं, क्योंकि उनका घर बहुत छोटा था। लेकिन उन्होंने हमें सुझाया कि हमें इसके लिए सही लोगों की तलाश करनी चाहिए, जो ऐसी चीजों को बहुत पसंद करेंगे- रसोई के मिक्सर से लेकर छत के पंखों और डाइनिंग टेबल से लेकर सोफा सेट तक।मेरा यकीन कीजिए, हर बार जब मैं उन अलग-अलग विनम्र लोगों के पास जाकर उनसे कुछ साझा करता था, तो मेरा मामूली घर मुझे महल की तरह लगते लगता था। मेरी लिखने की मेज पाने वाले प्राप्तकर्ता ने कहा, मैं अपने पिता के लिए ऐसी ही मेज खरीदना चाहता था ताकि वे बैठकर अपना सुबह का अखबार पढ़ सकें।अपने बूढ़े घुटनों के चलते वे फर्श पर बैठकर नहीं पढ़ पाते हैं। मेरी आंखों में एक मिनट के लिए तब आंसू आ गए, जब मैंने उन बुजुर्ग व्यक्ति की आंखों में देखा। मेज पर बैठकर वे उतने ही रोमांचित थे, जैसे कोई बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने को पाकर होता है।एक और आंटी थीं, जिन्हें नहीं पता था कि एक किचन-मैट उनके दुखते पैरों को आराम दे सकता है। वे नियमित रूप से तस्वीरें भेजती थीं कि कैसे वे खड़े रहकर खाना पकाती हैं और उन्हें ऐसे व्यंजन बनाना पड़ता है, जिनके लिए घंटों खड़े रहकर समय देना पड़ता है।एक दिलचस्प घटना तब हुई, जब एक मां ने हमें दिल से धन्यवाद दिया। उनका बेटा पढ़ाई में कम दिलचस्पी रखता था, लेकिन मेरी बेटी की स्टडी टेबल का इस्तेमाल करने के बाद वह पढ़ाई को लेकर गंभीर हो गया और उसने अच्छे अंक प्राप्त किए। मुझे नहीं पता था कि एक साधारण-सी स्टडी टेबल भी किसी में पढ़ने की रुचि पैदा कर सकती थी।उन अनुभवों ने हमें अपने घर में ऐसे और भी खजानों को ढूंढने पर मजबूर कर दिया, और जो कुछ भी हमने पाया उसे आखिरकार अपना नया घर मिल गया। जूते के स्टैंड से लेकर बगीचे की कुर्सियों तक, कुछ भी कबाड़ में नहीं गया।उन सभी के उपयोग के साल लंबे खिंच गए। जब प्राप्तकर्ता आज भी वॉट्सएप पर उन चीजों की तस्वीरें साझा करते हैं, तो मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरे पास जो सामान था, वह दूसरों को खुशी दे रहा है।फंडा यह है कि जब आप अपना कई बार इस्तेमाल किया हुआ और कभी-कभी अपेक्षाकृत नया सामान भी किसी को देते हैं, तो वे बदले में लौटकर आपको कुछ अच्छी यादें और बेहतरीन कहानियां देते हैं। और इसलिए मुझे लगता है कि डाउनसाइजिंग में भी अपसाइड होने की कहानी निहित होती है, जिसमें किसी पर ध्यान दिया जाता है और उनके साथ बेहतर व्यवहार किया जाता है। आपका क्या कहना है?

फायदा कमाने के लिए मिर्ची तो लगानी ही होगी!

आपने कुली नं.1 फिल्म का ये गाना सुना होगा, 'तुझको मिर्ची लगी

तो मैं क्या करूंष्ठ'। यह शायद कैजुअल डाइनिंग रेस्टोरेंट 'चिलीज़' (मिर्ची) के चीफ एग्जीक्यूटिव केविन होचमैन का पसंदीदा गाना होगा क्योंकि जब पूरा अमेरिका, सोशल मीडिया पर फास्ट-फूड महंगा होने की शिकायत कर रहा था, तब केविन को अवसर नजर आया।उन्होंने तुरंत चिलीज़ बर्गर की तुलना मैक्डॉनल्ड से शुरू कर दी, जो इस कैटगरी में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। उन्होंने दो अलग काम किए। कोई छोटी कंपनी, पैसे वाली बड़ी कंपनी से पंगा नहीं लेती लेकिन केविन ने ऐसा किया। दूसरी बात, ऐसा रेस्टोरेंट जहां बैठकर खाना खाते हैं, वह मैक्डॉनल्ड जैसे रेस्टोरेंट से तुलना नहीं करता, जो खाना पैक कराकर ले जाने (टेक-अवे) का विकल्प देता है।उनकी कंपनी ने विज्ञापन में कहा, 'कॉम्बो मील की कीमत में, बिग मैक जैसा बर्गर पाएं, लेकिन टेबल पर, वह भी अनलिमिटेड चिप्स और सोडा के साथ'। यह विज्ञापन कारगर साबित हुआ। इसमें कहा गया, 'क्वार्टर पाउंडर से 85प्रतिशत ज्यादा बड़ी पैटी, चीज़ के साथ, सिर्फ डॉ10.99 में।' इसमें इशारा मैक्डॉनल्ड के एक सिग्नेचर बर्गर की ओर था।पिछले सितंबर, चिलीज़ का एक लाइन का विज्ञापन काफ़ी चर्चा में रहा, 'हमारा बर्गर खाएं या ड्राइव-थ्रू में मिलने वाले किसी बर्गर से संतोष कर लें।' इन विज्ञापनों ने लोगों को चिलीज़ रेस्टोरेंट में बार-बार जाने के लिए प्रेरित किया और उसकी बिक्री 15प्रतिशत बढ़ गई। चिलीज़ की पैरेंट कंपनी के शेयर की कीमतें भी तीन गुना हो गईं।वैश्विक स्तर पर, ग्राहक और फूड कंपनियां, दोनों महंगाई से परेशान हैं। लेकिन चिलीज़ ने महंगाई को मार्केटिंग में बदल दिया। दिलचस्प है कि चिलीज़ ने कभी अपने उत्पाद, प्रतिस्पर्धी से कम कीमत पर नहीं बेचे। बल्कि यह संदेश दिया कि आपका फास्ट फूड बर्गर पहले ही महंगा है, तो क्यों न उसे अच्छी जगह खाएं और साथ में ज्यादा चीजें पाएं। बचत प्रेमियों को यह बात पसंद आई क्योंकि थोड़ी ज्यादा कीमत देने पर, बहुत कुछ मिल रहा था।चिलीज़ अपने कर्मचारियों को 'चिली हेड्स' कहता है। उनका मोटो है, 'अपनी नौकरी को गंभीरता से लें, खुद को नहीं।' मैनेजमेंट स्टडी में मैंने इस कंपनी के बारे में जाना, जो शादी और मैरिज एनिवर्सरी के बजाय वर्क एनिवर्सरी धूमधाम से मनाते हैं। कर्मचारी 'चिलीज़ क्लब' के आजीवन सदस्य भी बनते हैं। कंपनी के 1200 आउटलेट में 72000 कर्मचारी हैं। ये सुनिश्चित करते हैं कि पूरे अमेरिका में चिलीज़ का स्वाद और गुणवत्ता एक जैसी रहे। दो टीनएजर के पिता केविन, कैजुअल कपड़ों में अपने किसी भी रेस्टोरेंट में पहुंच जाते हैं और वहीं खाते हैं। वे यहां दोस्तों को पार्टियां देते हैं, जिससे ग्राहक और मैनेजर का फीडबैक मिल जाता है। जब कंपनी का शीर्ष व्यक्ति, देश में कहीं भी कंपनी में पहुंचता है, जो इससे गंभीर वर्ककल्चर बनता है और बेहतर नतीजे मिलते हैं।कैलोरी घटाने के लिए, केविन रोजाना पांच किमी दौड़ते हैं। वे दोस्तों से कहते हैं, 'मैं खाने के लिए दौड़ता हूं।' हैरानी नहीं कि केविन ने पिज्जा हट, टाको बेल, यम ब्रांड्स, पेप्सिको और सेवन-इलेवन जैसी बड़ी फूड चेन के अधिकारियों को आकर्षित किया है।मार्केट रिसर्च फर्म का अनुमान है कि महंगाई के कारण रेस्टोरेंटों में भीड़ 3.3प्रतिशत घटेगी। यही फर्म मानती हैं कि चिलीज़ के स्टोर की बिक्री इस तिमाही में 26प्रतिशत बढ़ेगी और सालभर स्थिर रहेगी, जब तक कीमतें न बदलें।फंडा यह है कि अगर बतौर कंपनी आप ज्यादा लाभ कमाना और कुछ अलग करना चाहते हैं, तो आपको पंगा लेना ही होगा, जिससे प्रतिस्पर्धी को थोड़ी मिर्ची लग सके।

भाजपा जाति जनगणना का लाभ उठाने की स्थिति में है

जाति जनगणना पर भाजपा का हृदय-परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि पार्टी ने इसे कभी खारिज नहीं किया था। इसके निहितार्थों को लेकर पार्टी के भीतर और व्यापक संघ परिवार में भी ऊहापोह थी। बुधवार को कैबिनेट की सर्वोच्च समिति सीसीपीए ने जाति जनगणना को मंजूरी देने के लिए बैठक की।पिछले दो वर्षों से इस विचार को आगे बढ़ा रहे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अब इसके लिए सरकार पर दबाव बनाने का श्रेय ले रहे हैं। लेकिन लंबे समय के बाद किसी निर्णय पर राजनीतिक सर्वसम्मति दिखी है और भाजपा, कांग्रेस, क्षेत्रीय दल सभी एक ही पक्ष में हैं।भाजपा का गणित यह है कि वह इस निर्णय का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है। क्योंकि आज वह पहले की तरह ब्राह्मण-बनिया पार्टी नहीं कहलाती है, बल्कि पिछले दशक में उसने दलितों-पिछड़ों में अपना समर्थन-आधार बढ़ाया है। सरकार का नेतृत्व एक ऐसे प्रधानमंत्री कर रहे हैं, जो खुद ओबीसी वर्ग से आते हैं।वैसे भी भाजपा ऐसी पार्टी है, जो किसी भी स्थिति को अपने फायदे में बदलने में माहिर है। भाजपा को मुद्दा भुनाना आता है, कांग्रेस इस खेल में पिट जाती है। राहुल गांधी द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बाद से पिछले दो वर्षों में हुए चुनावों में कांग्रेस को कितने अतिरिक्त ओबीसी वोट मिले हैं? दूसरी तरफ 2024 के लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा की सीटें भी 62 से घटकर 33 रह गईं और इसी के चलते वह बहुमत के आंकड़े से पीछे रह आई। इस गिरावट का एक महत्वपूर्ण कारण ओबीसी थे। उन्होंने भाजपा को उतने पैमाने पर वोट नहीं दिया, जैसी कि उनसे उम्मीद की जा रही थी।सैद्धांतिक रूप से, जाति जनगणना का प्रयोजन है यह पता

करना कि विभिन्न जातियां और उपजातियां कहां खड़ी हैं, ताकि सरकार हाशिए के लोगों को आगे आने का मौका देने के लिए उपयुक्त कार्यक्रम बना सके। अभी तक हम 1931 की जाति जनगणना के आंकड़ों पर ही निर्भर हैं।उसके बाद, 2011 में भी एक जाति जनगणना हुई थी, लेकिन उसके अधिकांश निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह अजीब बात है कि न तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए- जो उस समय सत्ता में थी- और न ही भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए- जो पिछले 11 वर्षों से सत्ता में है- ने 2011 की जनगणना से मिली जानकरियों का खुलासा किया है। न ही वह जानकारी 'लीक' हो पाई है। कहा जाता है कि 2011 की जाति जनगणना से पता चला था भारत में 46 लाख जातियां हैं!राजनीतिक रूप से देखा जाए तो जाति जनगणना को राजनीतिक दलों द्वारा ओबीसी जातियों का समर्थन जुटाने के साधन के रूप में देखा जाता है, क्योंकि वे बड़ी संख्या में हैं। बिहार, तेलंगाना या कर्नाटक जैसी राज्य सरकारों द्वारा की गई जाति जनगणना से पता चलता है कि ओबीसी की संख्या और बढ़ने की संभावना है।2023 में बिहार की जाति जनगणना में पाया गया था कि राज्य में ओबीसी की आबादी 63प्रतिशत थी। 1931 की जाति जनगणना के अनुसार, ओबीसी का राष्ट्रीय औसत 52प्रतिशत था। ऐसा होने पर, ओबीसी स्वाभाविक रूप से आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में अधिक हिस्सेदारी की मांग करेंगे। वे नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अधिक आरक्षण चाहेंगे। राजनीति में इस बदली हुई हकीकत के दूरगामी परिणाम होंगे।इस निर्णय की टाइमिंग ने भी सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है, जब देश पहलगाम आतंकी हमले के सदमे से जूझ रहा था। प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने की बात कही है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।कई उच्चस्तरीय बैठकों के बाद सेना प्रमुखों को फ्री-हैंड दे दिया गया है। बढ़ते तनाव और सस्पेंस के बीच अचानक सरकार ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने सुर्खियों को बदल दिया है। जाति का मुद्दा उभरने ने अचानक स्थिति को थोड़ा 'सामान्य' कर दिया है। हमारी फौजें तब हमला करने का फैसला ले सकती हैं, जब सभी का ध्यान कहीं और हो।पहलगाम में जिस तरह से हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उसका मकसद देश में हिंदू-मुस्लिम टकराव पैदा करना था। लेकिन अब तक हालात नियंत्रण में रहे हैं। ऐसी स्थिति में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण जोखिम भरा कार्ड होता। पहलगाम ने वैसे भी हर जगह हिंदू चेतना को गहरा किया है- और यह भाजपा की मदद कर सकता है।आम तौर पर विपक्षी दल भाजपा द्वारा हिंदुओं के ध्रुवीकरण का मुकाबला करने के लिए जाति कार्ड का इस्तेमाल करते रहे हैं। लेकिन अब भाजपा ने भी जाति को अपने राजनीतिक ब्रह्मास्त्र के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया है।भाजपा किसी भी स्थिति को अपने फायदे में बदलने में माहिर है। उसे मुद्दा भुनाना आता है, कांग्रेस इस खेल में पिट जाती है। राहुल द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बाद से हुए चुनावों में कांग्रेस को कितने अतिरिक्त ओबीसी वोट मिले? (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

इंफ्लुएंसर-संस्कृति अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है

हम स्क्रॉल करते हैं, लाइक करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी एल्गोरिदम हमें कुछ ऐसा दिखा देता है, जो हमें रोक देता है- जैसे कि मीशा अग्रवाल की आत्महत्या की खबर, या बाबिल खान का इंस्टाग्राम पर लाइव आकर विलाप करना। और बस, इंफ्लुएंसर-जीवन का चमकदार आवरण उतर जाता है, पता चल जाता है कि यह क्या है : एक सुनहरा पिंजरा।मीशा अग्रवाल वो सब थीं, जिसका इंफ्लुएंसर-इकोनॉमी जश्न मनाती है- युवा, स्टाइलिश, बड़ी फॉलोइंग और उनके नाम से जुड़ा एक फैशन-लेबल। उनका कंटेंट अच्छा था, उनकी पोस्ट के कैप्शंस क्यूरेटेड होते थे और उनका पहनावा उनकी आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता था। और इस सबके बावजूद, उसके पीछे एक महिला एक ऐसे अंधेरे से जूझ रही थी, जिसे हम देखने में नाकाम रहे थे- या जिसे हमने देखना नहीं चाहा। भला कौन डिप्रेशन पर डबल-टैप करना चाहेगा?फिर आए बाबिल खान, जो इरफान के बेटे हैं, एक सेलेब्रिटी-विरासत के अनिच्छुक उत्तराधिकारी हैं। वे लाइवस्ट्रीम पर रो पड़े। जरूरत से ज्यादा निगरानी के दबाव से टूट गए। हर समय 'ऑन' रहने का दबाव, एक क्लिकेबल-हेडलाइन तक सीमित हो जाने की मायूसी।उन्होंने कहा, 'मुझे अब बिलकुल नहीं पता कि मैं कौन हूं।' और वे भला कैसे जान सकते थे? एक ऐसी दुनिया में, जहां लाइक्स से ही पहचान को मान्यता मिलती है और ऑनलाइन चुप्पी को विफलता के रूप में देखा जाता है, वहां अपने जैसा होने का हाशिया ही कहां है?दो युवा जिंदगियां। और एक कठोर सत्य : इंफ्लुएंसर- संस्कृति चुपचाप अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है। लेकिन सच कहें तो यह हम सभी की कहानी है।हम ऐसी पीढ़ी हैं, जो धारणाओं की बंधक बन चुकी है। आज पहचानें बनाई नहीं जातीं- ब्रांड की जाती हैं। आप अपना जीवन जी नहीं रहे होते, आप इसे लाइव-स्ट्रीम कर रहे होते हैं। और अगर आपकी इंगेजमेंट घटती है तो आपकी कीमत भी कम हो जाती है। चौबीसों घंटे उत्साहित, सुंदर और सफल दिखने का दबाव न केवल थका देने वाला है- यह अमानवीय भी है।यह एक परेशान करने वाला एहसास है कि हर चीज के प्रदर्शन के इस युग में, आपकी कीमत इंगेजमेंट-मीट्रिक में मापी जाती है। लाइक्स जीवन-रेखा बन जाते हैं। रील वास्तविकता बन जाती है। और अगर आप लॉग-ऑफ करके स्क्रीन से गायब हो जाते हैं, तो जैसे आपका कोई अस्तित्व ही नहीं रह जाता।इससे भी बुरी बात यह कि आज हमारी कमजोरियां भी नुमाइश का सामान हो गई हैं। रोएं, लेकिन सौंदर्यपूर्ण तरीके से।

सिंधु जल समझौते के पांच जरूरी पहलुओं को समझें

भारत द्वारा सिंधु जल समझौते पर रोक को पाकिस्तान ने युद्ध की शुरुआत माना है। इस पर पाकिस्तान के कानून मंत्री अकील मलिक भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों में चार तरह से मामले को उठाने का प्रयास कर रहे

हैं- अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता, वियना संधि 1969 के उल्लंघन पर हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, विश्व बैंक, यूएन सुरक्षा परिषद।सिंधु घाटी सभ्यता की सांस्कृतिक धरोहर को नकारने वाला पाकिस्तान संधि के दुरुपयोग से सिंधु और अन्य नदियों के पानी का बेशर्मी से इस्तेमाल करता आ रहा है। पहलगाम में आतंकी हमले के तार पाकिस्तानी सेना और आईएसआई से जुड़े हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष बहुत मजबूत है।जल मंत्रालय की संसदीय समिति की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार भारत सिंधु समझौते से एकतरफा तौर पर अलग नहीं हो सकता (अध्याय 11, परिच्छेद 11.2) पाकिस्तान इस रिपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय मंचों में दुरुपयोग नहीं करे, इस बारे में सतर्कता बरतने की जरूरत है। नदी समझौतों से जुड़े मामलों के लिए इन 5 पहलुओं पर बेहतर समझ बनाने की जरूरत है1. चीन : चीन, पाकिस्तान और भूटान के साथ हुई संधियों के तहत भारत में 20 हजार मेगावॉट के पॉवर प्रोजेक्ट्स की सम्भावना है। संसदीय समिति के अनुसार भारत में सिर्फ 3482 मेगावॉट प्रोजेक्ट्स का निर्माण हुआ है। सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है, जहां पर चीन ने साम्राज्यवादी तरीके से कब्जा कर रखा है।वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करके ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट भी बना रहा है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों में पाकिस्तान का अनैतिक समर्थन करने के कारण चीन को भी सच का आईना दिखाने की जरूरत है।2. संविधान : संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत अंतरराज्यीय नदियों और पड़ोसी राज्यों के साथ संधि के विषय केंद्र के अधीन हैं। लेकिन नदी और पानी का मामला राज्य सरकारों के अधीन आता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में नदियों को जोड़ने (आईएलआर) वाले फैसले में केंद्र को निर्देश दिया था। पानी को संविधान की समवर्ती सूची में लाने के लिए आईएलआर समिति के सामने मैंने विस्तृत नोट दिया था, लेकिन उसके अनुसार संविधान संशोधन नहीं हुआ है।3. जल संकट : पंजाब ने भाखड़ा बांध से जाने वाले 5 हजार क्यूसेक पानी की आपूर्ति को रोक दिया है, जिसकी वजह से हरियाणा में जल संकट बढ़ गया है। सिंधु समझौते में पूर्वी क्षेत्र की 3 नदियों सतलज, व्यास और रावी नदी पर सम्पूर्ण अधिकार होने के बावजूद पानी का पूरा इस्तेमाल नहीं होने पर संसदीय समिति ने 2021 की रिपोर्ट में रोष व्यक्त किया था।पश्चिम की सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से कृषि और जल ऊर्जा के साथ भारत 36 लाख एकड़ फीट पानी के भंडारण का ढांचा बना सकता है। इन तीन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय भारत में सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है। इस वजह से उत्तर भारत के राज्यों में खेती के नुकसान पर समिति ने चिंता जताई थी।4. बाढ़ : राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 1953 से 2018 के बीच बाढ़ से 4 करोड़ हेक्टेयर खेतिहर भूमि, 4 लाख करोड़ की संपदा के नुकसान के साथ 1 लाख इंसानों और 6 लाख जानवरों की जान गई है। पूरे देश में आपदा लाने वाली बाढ़ के विषय का केंद्र, राज्य या समवर्ती सूची कहीं भी आवंटन नहीं हुआ है। ड्रेनेज और तटबंधों का विषय राज्यों के अधीन है, जिसके अनुसार राज्य सरकारें सीमित कार्रवाई कर रही हैं। संसदीय समिति की स्पष्ट सिफारिशों के बावजूद अभी तक संसद से बांध सुरक्षा बिल और रिवर बेसिन मैनेजमेंट बिल पारित नहीं हुआ है।5. बांग्लादेश : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेश जा रहे पानी को रोकने की मांग की है। जनता पार्टी सरकार में प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और फिर प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने गंगा जल बंटवारे की संधि पर बांग्लादेश के साथ जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। सिंधु संधि के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की राज्य सरकार और बांग्लादेश के साथ जल संधि का ममता बनर्जी सरकार विरोध कर रही हैं।ममता के अनुसार बांग्लादेश के साथ गंगा, तीस्ता और फरक्का बांध संधियों में भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल की सहमति नहीं ली। 30 साल की संधि दिसम्बर 2026 में खत्म हो रही है। कोलकाता बंदरगाह में पानी की गहराई और पश्चिम बंगाल में जल संकट से निपटने के लिए संधि के नवीनीकरण में सरकार को बांग्लादेश के साथ सख्त रवैया अपनाना होगा।सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से भारत 36 लाख एकड़ फीट भंडारण का ढांचा बना सकता है। लेकिन इन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है।(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

जो भी सच्चा है, धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे...

पूरा संसार चौंका हुआ है कि पाकिस्तान जैसे देश में आतंकी ठिकानों की जानकारी

भारत को कैसे मिली? पाकिस्तान भी वर्षों तक ढूंढेगा कि ये सूचना कैसे बाहर गई? पाकिस्तानी तो शायद नहीं जानते होंगे इस नाम को, पर भारतीय दृष्टि से कहा जाए तो- कौन था विभीषण? भारतीय लोग विभीषण ढूंढने में बड़े माहिर हैं। विभीषण की खोज हनुमान जी ने की थी, लेकिन विभीषण प्रिय राम जी के थे। विभीषण का नाम आते ही लोग किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करते हैं, जिसने इधर की उधर लगा दी, रहस्य खोल दिया। लेकिन यदि विभीषण आलोचना का व्यक्तित्व होता तो राम उनको इतना सम्मान नहीं देते। राम का कहना था विभीषण की सबसे बड़ी अच्छाई थी कि उन्होंने बुराई का विरोध किया था। उनके मन में लंका का राज प्राप्त करने की कोई आकांक्षा नहीं थी, न ही लोभ था। उनका शुद्ध इरादा था सत्य के साथ, धर्म के साथ खड़े रहने का। हमारा देश विभीषण का सदैव सम्मान करेगा, क्योंकि राम ने उनको चाहा है। जो भी सच्चा है, जो भी धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे। और अधर्म का विरोध, किसी भी स्तर पर जाकर किया जाएगा।

काम का मतलब समर्पण है, 'चलता है' नहीं

इसी साल मार्च की बात है। एक व्यक्ति एटीएम से पैसे निकाल रहा

था, तभी दूसरा व्यक्ति अंदर गया और उससे पांच हजार रुपए छीनकर भाग गया। पीड़ित ने उसका पीछा किया। 74 वर्षीय अनुराधा कुलकर्णी वहीं ट्रैफिक संभाल रही थीं और उन्होंने यह सब देखा।उन्होंने तुरंत अपनी बाइक स्टार्ट की, पीड़ित को लिफ्ट दी और चोर का पीछा करते हुए देखा कि वह टाटा कॉलोनी नामक एक रिहायशी इलाके में घुस रहा है। उनके तेज दिमाग को पता था कि कॉलोनी का केवल एक ही एग्जिट पॉइंट है, इसलिए उन्होंने पुलिस को सूचित कर गेट पर पीड़ित के साथ इंतजार किया।एक घंटे बाद, आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पैसे बरामद कर लिए। दो महीने पहले एक व्यक्ति सड़क पार करते समय ट्रक से कुचलकर मारा गया। सड़क के बीचों-बीच खड़ी हुई अनुराधा ने देखा कि पीड़ित की चप्पल डिवाइडर में फंस गई थी, जिससे वह चलते ट्रक के सामने गिर गया था।गुस्साए स्थानीय लोग ट्रक ड्राइवर पर हमला करने लगे। अनुराधा ने तुरंत एक्शन लिया और गवाही दी कि यह ड्राइवर की गलती नहीं थी। वह इस चल रहे मामले में मुख्य गवाह हैं। लगभग छह महीने पहले एक सोसाइटी के चौकीदार का मोबाइल फोन चोरी हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्थानीय पुलिस ने अनुराधा से आरोपी की पहचान करने में मदद मांगी।उन्होंने तीन दिनों में मोबाइल चुराने वाले सफाईकर्मी की पहचान की, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मोबाइल फोन बरामद कर लिया। आप सोच रहे होंगे कि यह 74 वर्षीय महिला हमेशा सड़क के बीच में क्या करती रहती हैं? हर दिन वह बाइक पर घूमती हैं, जहां भी ट्रैफिक नजर आता है, वहां उतरकर ट्रैफिक संभालती हैं, एंबुलेंस को तेजी से जाने में मदद करती हैं और स्कूली बच्चों को सड़क पार कराती हैं।लगभग 30 साल पहले की बात है, एक बार उन्होंने देखा कि मुंबई में सांताक्रूज में एक स्कूल के पास लोग गलत लेन में आ रहे थे, तभी उन्होंने अकेले ही लोगों को वहां से आने से रोक दिया था। एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें ऐसा करते देखा और उन्हें ट्रैफिक वार्डन के रूप में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने मुंबई के बायकला में ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में अपनी ट्रेनिंग के बाद लिखित और मौखिक परीक्षा पास की। तब से, वह मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय इलाके जुहू-विले पार्ले-सांताक्रूज में स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। उनके एक फोन कॉल पर पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुट जाती है क्योंकि वह केवल तभी कॉल करती हैं जब वह स्थिति को संभाल नहीं पातीं, चाहे वह ट्रैफिक की समस्या हो या कोई असामाजिक गतिविधि।साल 2014 में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने उनके उत्कृष्ट काम के लिए उन्हें सम्मानित किया था और उन्होंने कोविड के दौरान कोरोना पॉजिटिव लोगों को भोजन पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह इन उपनगरों में सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं क्योंकि ट्रैफिक जाम होने पर किसी को उन्हें बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती। वह खुद पहुंच जाती हैं और ट्रैफिक वार्डन का काम करती हैं।ट्रैफिक सुचारू होने के बाद, वह अपनी बाइक लेती हैं और अगले स्थान पर चली जाती हैं, जहां उनकी जरूरत होती है। ठेले वाले से लेकर दुकानदार तक, वहां के सभी लोकल लोग इस शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता है। बैंक में काम करने वाले उनके पति का बहुत पहले निधन हो चुका है और उनकी सास ने उन्हें एक घर दिया है, जिसके किराए से और समय-समय पर रिश्तेदारों की मदद से उनकी जरूरतें पूरी होती रहती हैं।

इसलिए वह मुंबई ट्रैफिक पुलिस के लिए फ्री में काम करते हुए अपना सारा समय बिताती हैं।फंडा यह है कि जो लोग किसी भी काम के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं, फिर चाहे वह स्वप्रेरणा से हो या उसके एवज में कोई पैसा मिले, ऐसे लोगों को हमेशा पहचान और सराहना मिलती है। इसलिए कहीं भी काम करें, काम के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता को सबसे ऊपर रखें क्योंकि इससे आपको पैसा मिलता है या प्रशंसा और ज्यादातर मामलों में तो दोनों।

बॉलीवुड/टेली मसाला

धनुष की 'कुबेर' ने फैंस को चौंकाया नागार्जुन और रश्मिका मंदाना भी छाए

नयी दिल्ली।नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, रश्मिका मंदाना

और जिम सर्भ जैसे सितारों से सजी फिल्म 'कुबेर' का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। शेखर कम्मुला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर बीते रविवार को हैदराबाद में आयोजित एक प्री-रिलीज इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर फेमस डायरेक्टर एसएस राजामौली शामिल थे। ये धनुष की तेलुगू में पहली फिल्म है, इसीलिए उनके फैंस को इससे बहुत उम्मीदें हैं। ट्रेलर देखने के बाद फैंस का कहना है कि ये ब्लॉकबस्टर होगी।ट्रेलर की शुरुआत धनुष से होती है, जो एक भिखारी के रोल में नजर आ रहे हैं और करोड़ों की कीमत के बारे में सोचता है। नागार्जुन कहते हैं कि इतिहास गवाह है कि इस देश में पैसा और ताकत काम करती है, नैतिकता या न्याय नहीं। कहानी सही और गलत के बीच जूझती है। सस्पेंस भी है। इमोशंस भी है। ट्रेलर एक पावरफुल नोट पर खत्म होता है, जिसमें धनुष सिस्टम को ही चुनौती देते हैं।'कुबेर' का प्री-रिलीज इवेंट पहले 13 जून को होना था, लेकिन अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। फिल्म की टीम कहा था, 'अहमदाबाद में हुए विनाशकारी विमान हादसे से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। इस कठिन समय में आपको शक्ति मिले।ये फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इसका निर्माण एमिगोस क्रिएशंस के सुनील नारंग और पुष्कर राममोहन राव ने किया है। ये हिंदी सहित कुल पांच भाषाओं (तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और हिंदी) में रिलीज होगी।यह हफ्ता सिनेमा प्रेमियों के लिए वाकई कुछ खास लेकर आया है। एक ओर आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' है, जो डाउन सिंड्रोम से जूझ रहे बच्चों की जिंदगी को संवेदनशीलता और गहराई से प्रस्तुत करती है। वहीं दूसरी ओर, बहुभाषी फिल्म 'कुबेरा'(हिंदी, तमिल, तेलुगू) दर्शकों को एक बिल्कुल अलग दुनिया में ले जाती है, जहां कहानी का नायक धनुष खुद एक भिखारी है। एक्टर द्वारा निभाया गया यह किरदार, निर्देशक शेखर कम्मुला की कल्पना और संवेदना का बेहतरीन उदाहरण है। हिंदी सिनेमा में अक्सर अमीरी और गरीबी की खाई को नायक और खलनायक के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। लेकिन शायद पहली बार, एक भिखारी को ही नायक बनाकर पूंजीपतियों के भूख, लालच और समाज की व्यवस्था से टकराव को सशक्त ढंग से प्रस्तुत किया गया है। बंगाल की खाड़ी के अथाह जल में, एक दुर्लभ तेल भंडार की गुप्त खोज नीरज मित्रा (जिम सर्भ) के लालच को और बढ़ा देती है। नीरज एक महत्वाकांक्षी उद्योगपति है, जो इस खजाने को धन, सत्ता और राजनीतिक दबदबे का जरिया बनाना चाहता है। अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए वह अपने पिता (दलीप ताहिल) और उच्च-स्तरीय नेताओं का समर्थन जुटाकर एक बेहद गोपनीय स्कैम तैयार करता है, ताकि उसके अथाह काले धन को सफेद किया जा सके। इस स्कैम में वह दीपक शर्मा (नागार्जुन) पर दांव लगाता है। दीपक कभी एक ईमानदार और बेखौफ सीबीआई अधिकारी हुआ करता था, लेकिन भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ खड़ा होने की सजा के रूप में उसे जेल हो जाती है। न्याय व्यवस्था से विश्वास उठ जाने वाले दीपक के पास लौटने का कोई रास्ता नहीं, इसलिए वह अनिच्छा-पूर्वक नीरज के प्रस्ताव को स्वीकार कर लेता है।हालांकि इस घपले में वह लालच और अनैतिकता का विरोधी ही है। इस घोटाले को अंजाम देने के लिए वह देश के सबसे ज्यादा अनदेखे और तिरस्कृत तबके भिखारियों का सहारा लेता है। इन्हीं में से एक है देवा (धनुष), जो मासूम है और इस बात से अनजान कि उसे किसी षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है। देवा के अन्य साथी भिखारियों को जब

काम खत्म होने के बाद मौत के घाट उतार दिया जाता है, तब देवा अपनी जान बचा कर भागता है। इस भागा-दौड़ी में देवा की मुलाकात स्टेशन पर समीरा (रश्मिका मंदाना) से होती है, जो खुद अपने बॉयफ्रेंड राजू के लिए घर से भागी है, मगर राजू उसे धोखा दे गया है। ऐसे में बहादुर और संवेदनशील समीरा अनजाने में उसकी सहयोगी बन जाती है। इसके बाद ये दोनों ही एक ऐसी रोमांचक यात्रा पर निकल पड़ते हैं, जहां पर एक तरफ मौत खड़ी है, तो दूसरी तरफ विश्वास, शक्ति संघर्ष और अस्तित्व दांव पर लगा है।शेखर कम्मुला एक सेलिब्रेटेड ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई सम्मानों से नवाजे जा चुके निर्देशक हैं। यकीनन कहानी को एक नया प्रिमाइजेज देने के लिए उनकी तारीफ की जानी चाहिए। विषय को उन्होंने संवेदनशील और बोल्ड तरीके से हैंडल किया है। कहानी का बांधे रखने वाला तेज रफ्तार थ्रिलर आस्पेक्ट फिल्म का प्लस पॉइंट है। शेखर ने अपने किरदारों को गहराई से गढ़ा है। जैसे -जैसे स्टोरी आगे बढ़ती जाती है, परतें खुलती जाती है। यह सदियों से चली आ रही अमीरी और गरीबी की खाई पर करारा प्रहार भी करती है कि लालच और पावर में अंधे हो चुके लोग इंसानियत को कैसे कुचल देते हैं?डायरेक्टर ने अस्तित्व की जंग को शानदार ढंग से दर्शाया है, मगर इसकी 3 घंटे और 4 मिनट की लंबाई खलती है। पहला भाग थ्रिलर का हाथ पकड़ कर तेज भागता है, मगर दूसरे भाग में कहानी कई जगहों पर हिचकोले खाती है, मगर फिर संभल भी जाती है। कुछ दृश्यों में दोहराव खटकता है। क्लाइमैक्स इमोशनल है, मगर और प्रभावी हो सकता था, क्योंकि कुछ सवाल अनुत्तरित रह जाते हैं। तकनीकी पक्ष की बात करें तो निकेत बॉमिरेड्डी की सिनेमैटोग्राफी में दम है। फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर जानदार है। पुष्पा फेम देवी श्री प्रसाद के संगीत में 'जाके आना यारा रे' गाना याद रह जाता है।एक्टिंग के मामले में यह फिल्म बाजी मार ले जाती है। 'रांझणा' जैसी फिल्म से हिंदी दर्शकों में लोकप्रियता पाने वाले राष्ट्रीय अवार्ड विजेता धनुष के लिए एक भिखारी के किरदार को निभाना यकीनन दुस्साहस भरा रहा होगा, मगर धनुष उन्नीस-बीस नहीं बल्कि इक्कीस साबित हुए हैं। उन्हें अगर फिल्म की रूह कहा जाए, तो गलत न होगा। जिस बालसुलभ और बेचारगी के साथ उन्होंने देवा का किरदार निभाया है, यह उनके करियर की बेस्ट परफॉर्मेंस मानी जा सकती है। नागार्जुन दीपक की ग्रे शेड वाली भूमिका के साथ पूरा न्याय करते हैं।

दीपिका कक्कड़ ने बताया हॉस्पिटल के कॉरिडोर में रोए पति शोएब दिखाया आईसीयू के बाहर का मंजर, कहा- आप सोए नही हैं

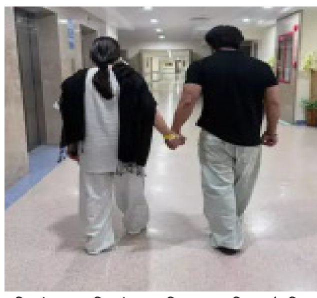

नयी दिल्ली। दीपिका कक्कड़ ने पति शोएब इब्राहिम के जन्मदिन पर एक भावुक पोस्ट लिखकर अपनी भावनाओं का इजहार किया। उन्होंने शोएब को उनके अटूट समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद दिया, खासकर दीपिका की हालिया ट्यूमर सर्जरी के दौरान।दीपिका कक्कड़ ने पति शोएब इब्राहिम के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर एक प्यारा सा पोस्ट लिखा है, जिसने फैंस को भावुक कर दिया। 'बिग बॉस 12' की विनर ने एक इमोशनल पोस्ट में अपने दिल की बात कही और शोएब को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। बीते दिनों में दोनों बहुत मुश्किलों से गुजरे हैं और उनके लिए ये काफी भारी रहा है क्योंकि दीपिका की हाल ही में ट्यूमर की सर्जरी हुई है। दीपिका कक्कड़ ने कई तस्वीरें शेयर कीं। अस्पताल में हाथ पकड़े हुए, अपने बेटे के साथ मुस्कुराते हुए और जन्मदिन के केक के सामने गले मिलते हुए। अपने कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'उस आदमी का जश्न मना रही हूं जो हर दिन अपने प्यार से मेरी जिंदगी को रोशन करता है... शोएब तुम हो तो मैं हूं... तुमसे ही मैं हूं।'दीपिका ने आगे कहा, 'आप मेरे सबसे अच्छे और सबसे बुरे समय में मेरे साथ रहे हैं, मेरा हाथ कसकर थामे रहे हैं, आपकी आंखें मुझे बता रही हैं कि मैं यहीं हूं। आपका टच मुझे वह सारी ताकत दे रहा है जिसकी मुझे जरूरत है। पिछले कुछ दिनों से हम दोनों ने बहुत कुछ फेस किया है। हॉस्पिटल के कॉरिडोर में रोना। मेरा स्कैन के लिए बहुत डरना, सर्जरी का दिन... आईसीयू के दिन... आप रातों से सोए नहीं हैं।उन्होंने बताया कि कैसे शोएब इब्राहिम ने उनका ख्याल 'एक छोटे बच्चे की तरह' रखा और आगे कहा, 'अब भी जब मैं घर वापस आती हूं तो मैं करवट भी बदलूंगी तो आप उठ जाते हैंष्ठ यह देखने के लिए कि मैं ठीक हूं। तो यहां उस आदमी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं जो न केवल मुझे प्यार करता है बल्कि मुझे अपने प्यार से लपेटता हैष्ठ अल्लाह हर खुशी से नवाजे आपकोष्ठ हर दुआ में आपका नाम है।'

अक्षय खन्ना ने संजय कपूर की दुल्हन बनीं करिश्मा कपूर का चूम लिया था हाथ, जिनसे कभी उनकी खुद होनेवाली थी शादी

नयी दिल्ली। करिश्मा कपूर शादी से पहले अक्षय खन्ना के साथ अपने

करीबी रिश्ते को लेकर चर्चा में रही हैं। बताया जाता है कि करिश्मा के पिता ने इस रिश्ते को हरी झंडी दे दी थी। वहीं जब करिश्मा की शादी में अक्षय खन्ना पहुंचे तो उनके चेहरे पर चोड़ी मुस्कान थी।करिश्मा कपूर की कहानी तब की है जब उनकी शादी हो रही थी। याद दिला दें कि संजय कपूर के साथ शादी के बंधन में बंधने से पहले करिश्मा की सगाई अभिषेक बच्चन से हुई थी जो बाद में टूट गया। हालांकि, इससे पहले करिश्मा और विनोद खन्ना के बेटे अक्षय खन्ना के अफेयर की भी काफी चर्चा थी और कहते हैं कि बात शादी तक जा पहुंची थी। वहीं जब करिश्मा और संजय कपूर की शादी हुई तो वहां अक्षय खन्ना भी पहुंचे थे और उस दौरान का एक वीडियो सामने आया था जो इमोशनल करने वाला है।साल 2003 में संजय कपूर और करिश्मा कपूर की शादी की खबर ने सबको हैरान कर दिया था। ये शादी इंडस्ट्री में उन दिनों होनेवाली सबसे बड़ी शादियों में से एक थी। करिश्मा और संजय 29 सितंबर, 2003 को एक गुरुद्वारे में हिंदू और सिख रीति-रिवाजों के अनुसार शादी रचाई थी। संजय और करिश्मा ने गुरुद्वारे में लावां फेरे लिए, उसके बाद करिश्मा के पैतृक घर, मुंबई में कृष्णा राज बंगले में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।बताया जा रहा है कि करिश्मा और संजय की शादी बेहद ग्लैमरस थी जहां फिल्म इंडस्ट्री, पॉलिटिक्स और बिजनेस इंडस्ट्री की कई नामचीन हस्तियां इस शादी में शामिल हुईं। इस जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए पूरा कपूर खानदान वहां मौजूद था।

फिल्म इंडस्ट्री से कई नामचीन सितारे भी इस शादी में शामिल हुए जिनमें से एक अक्षय खन्ना भी थे। जहां एक तरफ कभी करिश्मा को वो अपनी दुल्हन बनाने का ख्वाब देख रहे थे. वहीं उनकी शादी में पहुंचकर उन्होंने उनके अच्छे भविष्य के लिए उन्हें विश किया था।इस शादी में सलमान खान, गोविंदा, अमरीश पुरी, विवेक ओबेरॉय, तब्बू, राजेश खन्ना और कई कलाकार पहुंचे थे। करिश्मा कपूर और संजय कपूर की शादी की कुछ पुरानी झलकियों में अक्षय खन्ना इस पार्टी में नजर आ रहे हैं। इसी दौरान गुलाबी लहंगे में सजी-धजी करिश्मा कपूर को शादी की बधाई देने पहुंचे अक्षय खन्ना दुल्हन का हाथ चूमते दिखे थे।करिश्मा और संजय से मिलते ही अक्षय ने काफी खुश होकर उनका अभिवादन किया और करिश्मा का हाथ चूमा। बता दें कि अक्षय के साथ उनके साथ उनके भाई राहुल खन्ना और उनकी मां गीतांजलि खन्ना भी थीं। अक्षय खन्ना और करिश्मा कपूर के बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग थी जिन्हें वो अपना बहुत अच्छा दोस्त मानती थीं। कुछ समय बाद, दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे और रणधीर कपूर ने भी कथित तौर पर उनके रिश्ते को हरी झंडी दे दी थी।लेकिन करिश्मा की मां बबीता ये रिश्ता पसंद नहीं आया। बबीता ने ये शादी नहीं होने दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बबीता करिश्मा को लेकर खुश नहीं थीं क्योंकि तब वो अपने करियर के टॉप पर थीं। बताया जाता है कि अक्षय कुमार की फैमिली लाइफ को लेकर बबीता को लगा था कि उनकी बेटी के लिए ये रिश्ता सही नहीं।वहीं ,संजय कपूर से शादी के 11 साल बाद करिश्मा की जिंदगी में दरार आने लगी और उन्होंने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दाखिल कर दी। करिश्मा और संजय के तलाक का मामला तब और बिगड़ गया जब उन्होंने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया। करिश्मा के दावों पर जवाब देते हुए संजय ने भी कई आरोप लगाए थे और कहा कि उन्होंने उनके पैसों के लिए उनसे शादी की। उनकी अदालती लड़ाई दो साल तक चली और 2016 में दोनों को तलाक मिल गया।बता दें कि करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की इंग्लैंड में 12 जून को पोलो खेलते हुए हार्ट अटैक से मौत हो गई। उनका अंतिम संस्कार 19 जून को दिल्ली में किया गया, जहां करिश्मा अपने बच्चों के साथ शामिल हुईं।

मलाइका अरोड़ा को सीढ़ियों से उतरते देख उन्हीं लोगों ने किए ऊटपटांग कॉमेंट, जो उनके डांस वीडियो पर गड़ाए थे नजरें

नयी दिल्ली। हाल ही में मलाइका का एक डांस वीडियो

खूब चर्चा में रहा जिसमें 'मुन्नी बदनाम हुई' गाने पर उनके लटके-झटके देख लोग हैरान रह गए। अब मलाइका का एक नया वीडियो दिखा है जिसमें वो अपने रेस्टोरेंट से सीढ़ियों से उतरती दिख रही हैं और लोग कॉमेंट करने से बाज नहीं आ रहे।बॉलीवुड एक्ट्रेस, डांसर, एंकर, बिजनेसवुमन मलाइका अरोड़ा तमाम टीवी रिऐलिटी शोज़ को जज कर चुकी हैं। इन शोज़ में जहां मलाइका का ह्यूमर, ग्लैमर दिखता है वहीं अक्सर वो अपने डांस की भी झलकियां अपने फैन्स को ऐसे शोज़ में दिखाती हैं। खैर , यहां मलाइका का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो अपने रेस्ट्रॉन्ट से बाहर निकलती दिख रही हैं। मलाइका अरोड़ा को देखकर फैन्स अक्सर यही कहा करते हैं कि ये दिन-ब-दिन यंग होती जा रही हैं। 51 साल की मलाइका को देखकर उनकी उम्र का पता लगाना बेहद मुश्किल है। हालांकि, खुद को फिट और स्लिम रखने के लिए मलाइका अपने ऊपर काफी मेहनत किया करती हैं। मलाइका का जो नया वीडियो सामने आया है वो रेस्टोरेंट से बाहर निकलती दिख रही हैं और वो भी पूरे स्वैग के साथ।इस वीडियो पर लोगों ने कहा है- लगता है टाइम इनके लिए रिवर्स गियर में चल रहा है। एक ने कहा- इनको ऐसे अमेजिंग कपड़े मिलते कहां से हैं। एक और ने कहा- वैसे ये सीढ़ियों से ठीक वैसे ही उतर रहीं जैसे 55 की लेडीज़। कहा- ये जैसे सीढ़ियों से उतर रहीं वैसे ही 55 साल की आंटी उतरती हैं। वहीं किसी ने बीच में उन्हें रामू काका भी कह दिया है। एक और ने कहा- उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी, सिलिकॉन इम्प्लांट्स, फिलर्स, बोटोक्स, प्लास्टिक सर्जरी से साबित कर दिया है कि उम्र कोई मायने नहीं रखती और वे चमत्कार कर सकती हैं।हाल ही में मलाइका का एक डांस वीडियो तेजी से इंटरनेट पर छाया जिसमें वो किसी इवेंट में 'मुन्नी बदनाम हुई' गाने पर जबरदस्त डांस करती हुई दिख रही हैं। इस वीडियो में मलाइका के किलर मूव्स ने लोगों को खूब दीवाना बनाया है। इस उम्र में भी मलाइका के इस लाजवाब डांस की जमकर तारीफें कर रहे लोग।बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने मुंबई, बांद्रा में एक नया रेस्टोरेंट खोला है जिसका नाम 'स्कारलेट हाउस' है। यह रेस्टोरेंट 90 साल पुराने पुर्तगाली स्टाइल में है। मलाइका ने यह रेस्टोरेंट अपने बेटे अरहान खान के साथ मिलकर खोला है। इस रेस्टोरेंट को एक 90 साल पुराने बंगले तैयार किया गया है जिसमें विंटेज वाला अट्रैक्शन और मॉडर्न लग्जरी का मिलाजुला अंदाज है।बता दें कि मलाइका ने कई सारे रिएलिटी शोज़ में जज की भूमिका निभाई है। मलाइका 'नच बलिए', 'झलक दिखला जा', 'इंडियाज गॉट टैलेंट', 'एमटीवी सुपरमॉडल ऑफ द ईयर' और 'इंडियाज बेस्ट डांसर' शामिल हैं। वर्तमान में, वह 'हिप हॉप इंडिया' के दूसरे सीज़न के भी जज की कुर्सी को संभाल चुकी हैं।

आमिर खान के बेटे जुनैद को सलमान खान के बॉडीगार्ड ने दिया धक्का, 'सितारे जमीन पर' की स्क्रीनिंग से वीडियो वायरल

नयी दिल्ली। सुपरस्टार सलमान खान की सिक्योरिटी हाल ही में मिल रही कई धमकियों के कारण हाई अलर्ट पर है. हाल ही में आमिर खान के बेटे जुनैद खान को सलमान खान की सिक्योरिटी टीम के गुस्से का सामना करना पड़ा जब उन्होंने अभिनेता के करीब जाने की कोशिश की. यह घटना गुरुवार को मुंबई में आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' के शानदार प्रीमियर के दौरान हुई, जहां सलमान खान भारी सुरक्षा के साथ नजर आए. सलमान अपने दोस्त आमिर का सपोर्ट करने के

लिए स्क्रीनिंग में पहुंचे थे, और उनकी इस मौजूदगी की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं.एक वीडियो में सलमान खान को भीड़ के बीच से गुजरते हुए देखा गया, जहां उनकी सिक्योरिटी टीम उन्हें घेरे हुए थी. उसी वीडियो में जुनैद खान को सलमान के पास पहुंचने की कोशिश करते देखा गया. हालांकि, जुनैद की यह कोशिश नाकाम रही क्योंकि सलमान की सिक्योरिटी टीम ने उन्हें रोक दिया और अभिनेता से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए धक्का दे दिया. जुनैद ने बॉडीगार्ड से बात करने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा टीम ने उन्हें सलमान के पास जाने से रोक दिया.इस बीच, हाल ही में 'सिकंदर' में नजर आए सलमान इस हंगामे से बेखबर दिखे और आगे बढ़ते रहे, जाहिर तौर पर उन्हें जुनैद की कोशिशों का कोई अंदाजा नहीं था. सोशल मीडिया पर सलमान खान और जुनैद खान का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. कई सोशल मीडिया यूजर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

2 साल की हुई क्लिन कारा, राम चरण और उपासना पहुंचे हैदराबाद जू, उनकी बेटी का इस बाघिन से है खास कनेक्शन

नयी दिल्ली। साउथ के फेमस स्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना ने बेटी क्लिन कारा का दूसरा बर्थडे बहुत ही खास तरीके से सेलिब्रेट किया। वे हैदराबाद के जू में गए, जहां पर पिछले साल जन्मी बाघिन का नाम भी क्लिन कारा रखा गया था। उनकी फोटो वायरल हो रही है।साउथ स्टार राम चरण और उपासना कामिनेनी कोनिडेला 20 जून 2025 को अपनी बेटी क्लिन कारा का दूसरा जन्मदिन मना रहे हैं। दोनों ने इस खास दिन को खास अंदाज में सेलिब्रेट करने का फैसला किया। वे हैदराबाद में जू में पहुंचे और अपनी बेटी को एक नन्ही बाघिन से मिलवाया। दरअसल, इस बाघिन का जन्म

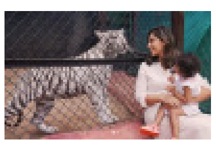

भी पिछले साल हुआ था और उसका नाम भी राम और उपासना की बेटी के नाम क्लिन कारा पर रखा गया था।जानकारी के मुताबिक, पिछले साल हैदराबाद जू की जर्नी के दौरान एक शावक बाघिन का जन्म हुआ और उसका नाम क्लीन कारा के नाम पर रखा गया। ये पल राम चरण और उपासना के लिए एक स्पेशल मेमोरी बन गया। इस साल अपने दूसरे जन्मदिन पर क्लिन कारा पहली बार अपने नाम वाली बाघिन से मिली, जो अब तेजी से बड़ी हो रही है।अपनी बेटी के साथ प्यारी सी फोटो शेयर करते हुए उपासना ने लिखा, 'एक साल पहले, वो सिर्फ एक छोटी सी शावक थी। आज, वो एक चंचल बाघिन है और उसका नाम हमारी क्लिन कारा के नाम से मिलता है। इस प्यारे से काम के लिए हैदराबाद जू को धन्यवाद। हमारा मानना है कि वन्यजीवों का हक जंगल में ही है, लेकिन हम उन प्रयासों का भी समर्थन करते हैं, जो उनके जीवन को सम्मान देते हैं और देखभाल करते हैं। हम दयालुता, साहस और करुणा के साथ बड़े होने की कामना करते हैं।'मालूम हो कि शादी के 11 साल बाद राम और उपासना ने अपने घर में बच्चे का वेलकम किया। दोनों ने अभी तक अपनी लाडली का चेहरा दुनिया को नहीं दिखाया है। आरआरआर स्टार ने एक बार बताया था कि वो अपनी बेटी का चेहरा कब दिखाने वाले हैं।

पाकिस्तान मेरा एक्स लवर है... अदनान सामी का फूटा गुस्सा

नयी दिल्ली। मशहूर सिंगर अदनान सामी ने भले ही करीब एक दशक पहले भारतीय नागरिकता ले ली हो, लेकिन उनके इस फैसले की ऑनलाइन आलोचना हो रही है, खास तौर पर सीमा पार से। 2001 में भारत आने और 2016 में भारतीय नागरिकता मिलने के बावजूद उनका कहना है कि उन्हें अभी भी याद दिलाया जा रहा है कि वे मूल रूप से कहां से आए थे। अदनान यूके में जन्मे हैं जिनके पास कभी पाकिस्तानी और कनाडाई नागरिकता थी।बॉलीवुड बबल के साथ हाल ही में हुई बातचीत में अदनान सामी ने सोशल मीडिया पर, खास तौर पर पाकिस्तान से मिलने वाली नफरत के बारे में खुलकर बात की।

कुशा कपिला का ट्रांसफॉर्मेशन कर रहा हैरान, हिमाचल प्रदेश से शेयर की नई फोटो, यूजर्स बोले- गोल मटोल अच्छी लगती थी

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस कुशा कपिला का ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को हैरान कर रहा है। वो इन दिनों अपने जितने पोस्ट शेयर कर रही हैं, उसमें ज्यादा कॉमेंट्स उनके लुक्स को लेकर होते हैं। लोगों का कहना है कि वो बहुत दुबली हो गई हैं और अच्छी नहीं लग रही हैं।यूट्यूब की दुनिया से निकलकर एक्टिंग की दुनिया में एंट्री कर चुकीं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कुशा कपिला इन दिनों चर्चा में हैं। वो पहले से काफी स्लिम और फिट नजर आती हैं। उन्होंने हाल ही में हिमाचल प्रदेश से अपनी कुछ फोटोज शेयर कीं, जिनपर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया, लेकिन कुछ लोगों को उनका ये रूप खटक रहा है। उनका कहना है कि उन्हें पहले वाली 'चबी कुशा' ज्यादा अच्छी लगती थी।

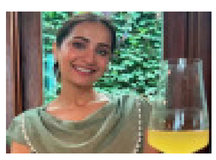

Kusha Kapika ने इंस्टाग्राम पर हिमाचल प्रदेश में बिताए खूबसूरत पलों को फैंस के साथ भी शेयर किया है। पहली फोटो में वो किसी रेस्त्रां में बैठी दिख रही हैं। उन्हें देखकर बहुत सारे लोग उनके ट्रांसफॉर्मेशन लेकर कॉमेंट्स कर रहे हैं।

एक ने लिखा, 'मुझे सच में उस गोल-मटोल कुशा की याद आती है, उसका चार्म अलग था।'एक यूजर ने कहा, 'मैम आप हेल्दी बहुत अच्छे लगते थे। आप पतले क्यों हो रहे हो?' एक ने लिखा, 'ये एंड जेनरेटेड है।' दूसरे यूजर ने कहा, 'वह गोल-मटोल कुशा और उसका सेवेज सेंस ऑफ ह्यूमर याद आ रहा है।' एक और फैन ने कहा, 'दीदी आप ना हट्टी-कट्टी ही अच्छी लगती थीं। कैसी थीं आप और कैसी हो गई हैं।'दिल्ली की रहने वाली कुशा कई फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं। उन्हें 2024 में 'इश्क विश्क रिबाउंड' फिल्म में देखा गया था। वेब सीरीज की बात करें तो वो 'लाइफ हिल गई' में नजर आई थीं।

स्पोर्ट्स

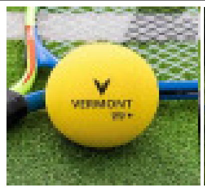

श्रीलंका-बांग्लादेश पहला टेस्ट ड्रॉ:शांतो का नाबाद शतक; श्रीलंकाई ऑलराउंडर मैथ्यूज ने करियर का आखिरी टेस्ट खेला

नयी दिल्ली। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ हो गया है। बांग्लादेश ने शनिवार को पांचवें दिन दूसरी पारी 285/6 के स्कोर पर डिक्लेयर कर दी। श्रीलंका को जीत के लिए 296 रन बनाने थे। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब श्रीलंका का स्कोर 72/4 था।गॉल टेस्ट में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 495 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम पहली पारी 485 पर ऑलआउट हुई। पांचवें दिन बारिश की वजह से मैच कई बार रुका।श्रीलंकाई ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया, उनका यह आखिरी टेस्ट मैच था। सीरीज का दूसरा मुकाबला 25 जून के कोलंबो में खेला जाएगा।बांग्लादेश की दूसरी पारी-शांतो ने दूसरी पारी में नाबाद 125 रन बनाए पांचवें दिन बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 177/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। इसके बाद टीम ने 108 रन जोड़े और लंच के बाद 285/6 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी। दूसरी पारी में भी नजमुल हुसैन शांतो ने नाबाद 125 रनों की पारी खेली। उन्होंने पहली पारी में भी 148 रन बनाए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके अलावा शादमान इस्लाम ने 76 रन बनाए।पहली पारी में श्रीलंका के लिए टॉप स्कोरर ओपनर पथुम निसांका रहें। जिन्होंने 256 गेंदों में 187 रन की पारी खेली, जिसमें 23 चौके और 1 सिक्स जड़ा। इसके अलावा कामिंडू मेंडिस ने 148 गेंदों में 87 रन और दिनेश चांदीमल ने 119 गेंदों में 54 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए नईम हसन ने 5 विकेट झटके। इसके अलावा हसन महमूद ने 3 विकेट, ताइजुल इस्लाम और मोमिनुल हक को 1-1 विकेट मिला। पहले दिन बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेशी टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने ओपनर अनामुल हक का विकेट मात्र 5 रन पर गंवा दिया। इसके बाद शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने मिलकर पारी संभाली और 64 बॉल पर 34 रन जोड़े। शादमान 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मोमिनुल ने 4 चौके की मदद से 29 रन बनाए।मोमिनुल के आउट होने के बाद बैटिंग करने आए नजमुल और मुश्फिकुर ने शानदार बल्लेबाजी की और चौथे विकेट के लिए 264 रन जोड़ डाले। शांतो ने शतक लगाते हुए शानदार 148 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और एक सिक्स लगाए। उनके साथ दूसरी छोर पर बल्लेबाजी कर रहे मुशफिकुर रहीम ने अपने टेस्ट करियर का 12वां शतक लगाया। उन्होंने ने 163 रन बनाए। रहीम ने अपनी पारी में 9 चौके लगाए। लिट्टन दास ने शानदार बल्लेबाजी की और 90 रन बनाकर आउट हुए।पेसर असिथा फर्नांडो ने बांग्लादेश के 4 बल्लेबाजों को आउट किया। वहीं टेस्ट करियर का पहला मैच खेल रहे थारिंदु रथनायके ने 3 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। उनके अलावा मिलन रथनायके को भी 3 विकेट मिला।

प्रज्ञानंदा एफआईडी लाइव चेस रेटिंग में गुकेश से आगे:टॉप-5 में तीन भारतीय;अरविंद चितंबरम टॉप-10 से बाहर

नयी दिल्ली। चेस ग्रैंड मास्टर रमेश बाबू प्रज्ञानंदा एफआईडी लाइव चेस रेटिंग में टॉप-5 में पहुंच गए हैं।

उन्होंने वर्ल्ड चैंपियन भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश से आगे निकल गए हैं। गुकेश छठे स्थान पर हैं। प्रज्ञानंदा का लाइव चेस रेटिंग 2777.2 तक पहुंच गया, जो गुकेश के 2776.6 से थोड़ा आगे है। प्रज्ञानंदा इस समय उज्बेकिस्तान शतरंज महासंघ की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित उजचेस कप मास्टर्स में हिस्सा ले रहे हैं। पहले राउंड में ड्रॉ के बाद,प्रज्ञानंदा ने दूसरे राउंड में शानदार वापसी की और उज्बेकिस्तान के शम्सिद्दीन वोखिदोव को सफेद मोहरों से हराया। वह वर्तमान में 1.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। इर्छ्-लाइव चेस रेटिंग में टॉप-10 में तीन भारतीय रह गए हैं। इससे पहले पिछली बार जारी रेटिंग में टॉप-10 में चार भारतीय थे। जिनमें प्रज्ञानंदा, गुकेश, अर्जुन और अरविंद चितंबरम शामिल थे। अरविंद ने आर्मेनिया में आयोजित 6वें स्टीफन अवाग्यान मेमोरियल में खिताब जीता था। 20 जून को जारी रेटिंग में अर्जुन और अरविंद चितंबरम को नुकसान हुआ है। अर्जुन तीसरे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनका रेटिंग 2780.7 रह गया है। वहीं, अरविंद चितंबरम टॉप-10 से बाहर हो कर 15 पर पहुंच गए हैं। उन्हें 5 स्थान का नुकसान हुआ है। उनका रेटिंग 2741.3 हो गया है।

नीरज चोपड़ा का साल का पहला खिताब:पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर थ्रो किया; 6 में से 3 थ्रो फाउल रहे

नयी दिल्ली। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने पहले ही राउंड में 88.16 मीटर का थ्रो फेंककर जीत सुनिश्चित कर ली। वहीं, इससे पहले उन्होंने 90.23 मीटर थ्रो किया था और दूसरे स्थान पर थे। वहीं पेरिस डायमंड लीग में जर्मनी के जूलियन वेबर 87.88 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ दूसरे नंबर पर रहे। ब्राजील के मौरिसियो लुइज डा सिल्वा ने 86.62 मीटर के थ्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।नीरज चोपड़ा ने अपना पहला थ्रो 88.16 मीटर का किया था। वहीं उनके तीन थ्रो फाउल रहे। पहले राउंड में वेबर (87.88 मीटर) और त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट (80.94 मीटर) का नंबर था। दूसरा राउंड-वेबर ने 86.20 मीटर का थ्रो फेंका, जबकि नीरज ने 85.10 मीटर का थ्रो दर्ज किया और वालकॉट ने 81.66 मीटर के साथ सुधार किया। इसके बाद नीरज लगातार तीन बार फाउल कर बैठे। छठे और आखिरी प्रयास में वह 82.89 मीटर ही दूर फेंक पाए। इसके बाद भी नीरज ने पेरिस डायमंड लीग के भाला फेंक इवेंट को अपने नाम करने में सफलता हासिल की। वहीं, तीसरे राउंड में डा सिल्वा ने 86.62 मीटर का थ्रो फेंककर अपनी मौजूदगी दर्ज की। वेबर ने चौथे राउंड में 83.13 मीटर और पांचवें राउंड में 84.50 मीटर के थ्रो के साथ जोरदार कोशिश की, लेकिन वह 88 मीटर का आंकड़ा पार नहीं कर सके।दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अब 5 जुलाई को होने वाले पहले नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेंगे। यह आयोजन मूल रूप से 24 मई को होने वाला था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तनाव के कारण इसे 5 जुलाई के लिए स्थगित कर दिया गया। डायमंड लीग में जीत हासिल करने पर कोई मेडल नहीं मिलता है। हर स्थान पर रहने वाले एथलीट को पॉइंट मिलते हैं। इसी पॉइंट के आधार पर साल के अंतिम डायमंड लीग में जगह मिलती है। वहां फाइनल होता है। नीरज के अभी तक 15 पॉइंट हैं और जूलियन वेबर के साथ वह संयुक्त रूप से पहले नंबर पर चल रहे हैं। इस जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि नीरज ने पिछले साल ओलिंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पेरिस डायमंड लीग में भाग नहीं लिया था। ओलिंपिक में उन्होंने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता था।डायमंग लीग एथलेटिक्स (ट्रैक और फील्ड) का एक टूर्नामेंट है, जिसमें एथलेटिक्स के 16 इवेंट (मेंस और विमेंस) होते हैं। यह हर साल दुनिया के अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है।डायमंड लीग एथलेटिक्स सीरीज हर साल मई से सितंबर तक आयोजित की जाती है और सीजन का समापन डायमंड लीग फाइनल के साथ होता है। आमतौर पर डायमंड लीग के सीजन में प्रतियोगिताओं की संख्या 14 होती है, जिसमें फाइनल भी शामिल होता है, लेकिन कभी-कभी यह संख्या बदल जाती है।हर इवेंट में टॉप-8 खिलाड़ियों को पॉइंट्स मिलते हैं, पहले नंबर के खिलाड़ी को 8 और 8वें नंबर के खिलाड़ी को एक पॉइंट मिलता है। 13 इवेंट के बाद सभी खिलाड़ियों के पॉइंट्स काउंट होते हैं। टॉप-10 पोजिशन पर फिनिश करने वाले खिलाड़ियों को डायमंड लीग फाइनल में जगह मिलती है। इसमें जीतने वाले खिलाड़ी को डायमंड लीग विजेता की ट्रॉफी और कैश प्राइज मिलता है।

तरनतारन में इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी गिरफ्तार:डॉक्टर से मांगी थी 30 लाख की फिरौती, घर के बाहर की थी फायरिंग, 3 खिलाड़ी और फरार

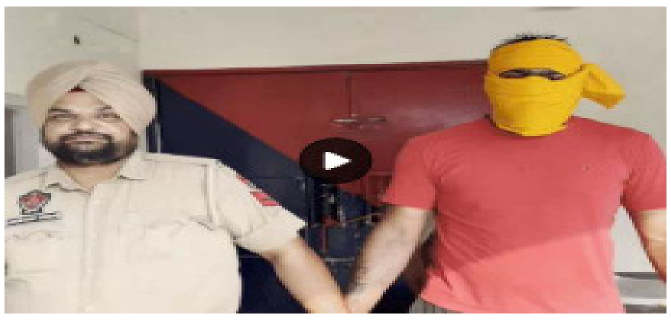

अमृतसर। पंजाब में खेल और अपराध के खतरनाक गठजोड़ का एक और मामला सामने आया है। अमृतसर देहात पुलिस ने इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी गुरलाल सिंह को एक निजी डॉक्टर से 30 लाख रुपए की फिरौती मांगने और उसके घर के बाहर फायरिंग करने के मामले में गिरफ्तार किया है। इस केस में आरोपी के पांच साथी अभी फरार हैं, जिनमें से तीन अन्य भी कबड्डी खिलाड़ी बताए जा रहे हैं। यह मामला लोपोके थाना क्षेत्र के गांव भिलोवाल का है। पुलिस के अनुसार, निजी डॉक्टर युवराज नंदा को फोन पर जान से मारने की धमकी देकर 30 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी। जब डॉक्टर ने रकम देने से मना किया, तो 4 जून को आरोपी उसके घर के बाहर पहुंचे और फायरिंग कर दी। इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई है।पुलिस ने जांच के दौरान तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए तरनतारन जिले के गांव सोहल निवासी गुरलाल सिंह को गिरफ्तार किया। डीएसपी इंदरजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी के पास से 30 बोर की एक नाजायज पिस्तौल भी बरामद की गई है, जिसका इस्तेमाल फायरिंग में किया गया था। डीएसपी ने बताया कि गुरलाल सिंह इंटरनेशनल स्तर का कबड्डी खिलाड़ी है और उसका आपराधिक गिरोह के साथ संपर्क होने का संदेह है।पुलिस को जिन पांच अन्य आरोपियों की तलाश है, उनमें तीन भी कबड्डी खिलाड़ी बताए गए हैं। फरार आरोपियों की पहचान गुप्त रखी गई है ताकि उनकी गिरफ्तारी में कोई बाधा न आए। इंदरजीत सिंह ने बताया, 'गुरलाल सिंह और उसके साथियों ने डर का माहौल पैदा करने के लिए डॉक्टर को जान से मारने की धमकी दी थी। हम बाकी आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रहे हैं और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।'पुलिस ने इस मामले में फिरौती मांगना, जान से मारने की धमकी देना, और अवैध हथियार रखने जैसी कई धाराओं में केस दर्ज किया है।

गिल ने की कोहली और गावस्कर की बराबरी:यशस्वी ने इंग्लैंड में पहली सेंचुरी लगाई, काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे प्लेयर्स; मोमेंट्स-फैक्ट्स

नयी दिल्ली। तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के तहत भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन भारत ने 3 विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं। लीड्स में शुभमन गिल बतौर कप्तान पहले मैच में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बने। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड में अपना पहला शतक लगाया। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे। भारतीय ओपनर्स ने 39 साल के बाद लीड्स के हेडिंग्ले स्टेडियम में 50 रन से ज्यादा की ओपनिंग साझेदारी की। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 91 रन जोड़े।शुभमन गिल कप्तान बनने के बाद पहले मैच में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बने हैं। उनसे पहले विजय हजारे, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विराट कोहली यह कारनामा कर चुके हैं।भारत-इंग्लैंड टीम के खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और दर्शकों ने मैच शुरू होने से पहले 2 मिनट का मौन रखा। साथ ही सभी प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर भी खेलने उतरे। 12 जून को अहमदाबाद के प्लेन हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा किया गया।साई सुदर्शन 20 जून को टेस्ट डेब्यू करने वाले चौथे प्लेयर बने। वे भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले 317वें खिलाड़ी हैं। हालांकि, सुदर्शन अपने डेब्यू पर खाता भी नहीं खोल सके। राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली और विराट कोहली ने इस तारीख को डेब्यू किया था। खास बात यह है कि सभी ने 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं। ब्रायडन कार्स की बॉल जायसवाल की पसलियों पर लगी भारतीय पारी के 10वें ओवर की आखिरी बॉल यशस्वी जायसवाल की पसलियों पर लगी। ब्रायडन कार्स की लेंथ बॉल तेज उछाल के साथ जायसवाल की कमर के ऊपर आई। जायसवाल ने इसे ड्रॉप करने का प्रयास किया, लेकिन बॉल पसलियों पर लगी।जायसवाल आउट होने से बचे, इंग्लैंड ने अपील नहीं की 30वें ओवर में यशस्वी जायसवाल को जीवनदान मिला। क्रिस वोक्स की फुलर लेंथ बॉल जायसवाल के पैर पर बॉल लगी। इंग्लिश प्लेयर्स ने अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर्स ने अपील को नकार दिया। यहां स्टोक्स ने रिव्यू नहीं लिया। बाद में रिप्ले से पता चला कि जायसवाल आउट थे। गिल ने चौके से फिफ्टी पूरी की, बतौर कप्तान पहली भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 43वें ओवर में हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने जोश टंग के ओवर की दूसरी बॉल पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। यह गिल का बतौर कप्तान पहला टेस्ट अर्धशतक है।. जायसवाल का शतक, कार्स को लगातार दो चौके लगाए ओपनर यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड में पहला शतक बनाया। उन्होंने टेस्ट करियर में 5 शतक लगाए हैं। यशस्वी ने ब्रायडन कार्स के ओवर में लगातार दो चौके लगाए और एक रन लेकर शतक पूरा किया।हेलमेट पर बॉल लगी, 5 रन एक्स्ट्रा मिले 51वें ओवर की पांचवीं बॉल पर भारत को 5 एक्स्ट्रा रन मिले। यहां बेन स्टोक्स राउंड द विकेट बॉलिंग करने आए। यशस्वी जायसवाल ने शॉट खेला, गेंद एज लेकर स्लिप की ओर गई लेकिन फील्डर के आगे ही गिर गई। दूसरे स्लिप में खड़े हैरी ब्रूक ने गेंद को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वो हाथ से छूटकर विकेटकीपर के पीछे रखे हेलमेट्स से जा टकराई। नियमों के अनुसार बल्लेबाजी टीम को इसके लिए 5 पेनल्टी रन मिलते हैं।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें ˙ से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

हाले ओपन टूर्नामेंट में उलटफेर:वर्ल्ड नंबर-1 सिनर को 45वीं रैंक एलेक्जेंडर बब्लिक ने हराया; ज्वेरेव और एचेवेरी भी क्वार्टर फाइनल में

नयी दिल्ली। कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बब्लिक ने हाले ग्रास टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को हरा दिया। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी। समर 2023 के बाद यह पहला मौका है जब सिनर को टॉप-20 से बाहर के किसी खिलाड़ी ने हराया है।सिनर ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में बब्लिक को केवल छह गेम में हराया था, लेकिन इस बार बब्लिक ने शानदार प्रदर्शन किया। अब तक दोनों 6 बार एक-दूसरे का आमना-सामना कर चुके हैं। बब्लिक ने कहा, 'हम टेनिस खिलाड़ी हर मैच जीतने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह जीत खास है। मैंने पहली बार नंबर एक खिलाड़ी को हराया।'बब्लिक अब क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से भिड़ेंगे, जिन्होंने हंगरी के फैबियन मारोजसान को 6-2, 6-3 से हराया। वर्ल्ड नंबर-3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को तीन सेटों में 3-6, 6-4, 7-6 (7/2) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत हासिल की। पहला सेट हारने के बाद ज्वेरेव ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे सेट के टाईब्रेक में दबदबा बनाया। अब उनका मुकाबला इटली के फ्लावियो कोबोली से होगा। एक अन्य मैच में, अर्जेंटीना के 63वें रैंक के टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने चौथी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को तीन घंटे के कड़े मुकाबले में 6-3, 6-7 (4/7), 7-6 (8/6) से हराया। एचेवेरी ने अंतिम सेट के टाईब्रेक में दो मैच पॉइंट बचाए और अब क्वार्टर फाइनल में रूस के करेन खाचानोव से खेलेंगे।

सारा यूक्रेन हमारा... पुतिन ने अब जेलेंस्की के पूरे देश पर ही ठोका दावा, एक और शहर पर कब्जा करने की धमकी

नयी दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा बयान देते हुए पूरे यूक्रेन पर दावा ठोंक दिया है। सेंट पीटर्सबर्ग में रूस के प्रमुख आर्थिक मंच पर बोलते हुए पुतिन ने यूक्रेन पर लंबे समय से चले आ रहे दावे को दोहराया और कहा कि रूसी और यूक्रेनवासी 'एक लोग' हैं। उन्होंने कहा कि इस अर्थ में 'पूरा यूक्रेन हमारा है।' इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेनी शहर सुमी पर रूसी सेना के नियंत्रण करने की संभावना से इनकार नहीं करते हैं। यूक्रेन ने इन टिप्पणियों की निंदा की है और इसे पुतिन का पागलपन कहा है।पुतिन ने कहा, 'हमारे पास एक कहावत है- जहां रूसी सैनिक का पैर पड़ता है, वह हमारा होता है।' यूक्रेन पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस ने कभी भी यूक्रेन की संप्रभुता के अधिकार पर संदेह नहीं किया है। लेकिन यह भी कहा कि यूक्रेन ने 1991 में एक तटस्थ राज्य के रूप में स्वतंत्रता की घोषणा की थी। पुतिन ने कहा कि रूस की सेना रूसी क्षेत्र पर हमलों को रोकने के लिए यूक्रेन के उत्तरपूर्वी सुमी क्षेत्र में एक बफर जोन स्थापित कर रही है। उन्होंने इस संभावना से इनकार नहीं किया कि रूसी सेना अंततः सुमी शहर पर कब्जा कर लेगी।उन्होंने अपनी मांग दोहराई की कीव मॉस्को के क्षेत्रीय लाभ की वास्तविकताओं को स्वीकार करे और नाटो में शामिल होने की योजना त्याग दे। पुतिन ने कहा, 'हम यूक्रेन के आत्मसमर्पण की मांग नहीं कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि वे जमीनी सच्चाई को पहचानें।' उन्होंने कहा कि मॉस्को ने बार-बार कीव को

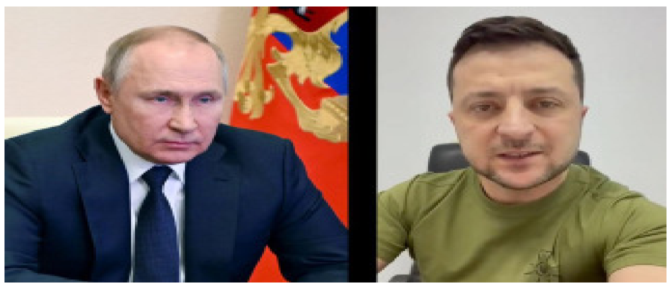

समझौता करने की चेतावनी दी है।पुतिन ने कहा, 'हमारा सुमी पर कब्जा करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन सैद्धांतिक रूप से मैं इसे खारिज नहीं करता। वे लगातार हमारे लिए खतरा बने हुए हैं और सीमावर्ती क्षेत्रों पर गोलीबारी कर रहे हैं।' यूक्रेन की विदेश मंत्री एंड्री सिबिगा ने पुतिन की टिप्पणियों को 'पागलपन' बताया और रूस के खिलाफ कठोर प्रतिबंध का आह्वान किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'रूस को शांति के लिए मजबूर करने का एकमात्र तरीका उसके अंदर से सजा से बच जाने की भावना को खत्म करना है।'

ट्रंप और मुनीर की मुलाकात से खौफ में ईरान, शिया देश को पाकिस्तान से क्यों दिख रहा बड़ा खतरा, अमेरिकी सीक्रेट बेस से है कनेक्शन

तेहरान। इजरायल के हमलों से जूझ रहे ईरान को एक नया खौफ सताने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर के साथ वॉइट हाउस में मुलाकात के बाद ईरान अपने पूर्वी पड़ोसी को शक की निगाह से देख रहा है। मुनीर और ट्रंप की मुलाकात के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि अमेरिका ईरान पर हमला करने के लिए पाकिस्तान के एयरबेस का इस्तेमाल कर सकता है। इसमें सबसे अधिक संभावना नूर खान एयरबेस को लेकर है, जिसे पिछले महीने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने निशाना बनाया था।इसके पहले कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख से लंच पर मुलाकात के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के सैन्य अड्डों पर अमेरिकी पहुंच की मांग की थी। जनरल मुनीर ने तो राष्ट्रपति ट्रंप के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर दी थी और उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रोकने का श्रेय दिया। मुलाकात के दो दिन बाद ही पाकिस्तान सरकार ने घोषणा भी कर दी कि उसने ट्रंप का नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है।ट्रंप से मुलाकात के दौरान मुनीर ने पाकिस्तान-ईरान सीमा के पास बढ़ते आतंकवादी खतरे पर भी चिंता जताई थी। अमेरिका के पाकिस्तानी एयरबेस का इस्तेमाल करने की अटकलें ऐसे समय में आई हैं, जब ट्रंप ने कहा है कि वह दो सप्ताह के भीतर इजरायल-ईरान युद्ध में शामिल होने को लेकर फैसला लेंगे। रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय से कुछ दूरी पर स्थित नूर खान एयर बेस के बारे में कहा जाता है कि यह सीक्रेट तौर पर अमेरिका के नियंत्रण में

है।पाकिस्तानी सुरक्षा विशेषज्ञ इम्तियाज गुल ने ये दावा किया है। गुल ने कहा है कि नूर खान एयरबेस पर इस कदर अमेरिकी नियंत्रण है कि पाकिस्तान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भी इसमें हस्तक्षेप की अनुमति नहीं है। उन्होंने यह भी बताया था कि इस एयरबेस पर अक्सर अमेरिकी विमान देखे जाते थे, लेकिन उनके बारे में किसी को जानकारी नहीं दी जाती थी। नूर खान एयरबेस पाकिस्तान के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के अलावा रणनीतिक योजना प्रभाग भी इस एयरबेस के ही पास है, जहां पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का कंट्रोल होता है।

पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम पर एफएटीएफ ने जारी की चेतावनी, भारत कर सकता है प्रतिबंध लगाने की मांग, फंसे शहबाज?

इस्लामाबाद। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानि एफएटीएफ ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर गंभीर चेतावनी जारी

की है। एफएटीएफ के लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। इसमें 2020 में भारतीय सीमा शुल्क अधिकारियों की तरफ से जब्त किए गए पाकिस्तानी शिपमेंट का हवाला दिया गया है। भारतीय कस्टम अधिकारियों साल 2020 में पाकिस्तान के डबल यूज कंपोनेंट्स 'ऑटोक्लेव' जब्त किए थे। ये मिसाइल मोटर कोटिंग समेत बैलिस्टिक मिसाइल के अलग अलग पार्ट्स को बनाने में काम आने वाले थे। इन उपकरणों का संबंध पाकिस्तान के नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स यानि एनडीसी से था।भारत ने इस मामले को लेकर अपनी रिपोर्ट एफएटीएफ को सौंपी थी और तमाम जरूरी सबूत दिए थे। अब एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने डबल यूज़ उपकरणों को लेकर जो निर्यात दस्तावेज पेश किए हैं, वो गलत तरीके से घोषित किए गये हैं और इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के खिलाफ हैं। 'ऑटोक्लेव' असल में इतने संवेदनशील होते हैं कि इन्हें सिर्फ वैज्ञानिक अभिकर्मक (रासायनिक प्रक्रिया का टेस्ट करने वाला मैटेरियल) या रॉकेट प्रोपेलेंट के साथ इस्तेमाल में लाया जाता है। पाकिस्तान ने इसको लेकर जो जानकारियां एफएटीएफ को सौंपी थी, वो गलत थी। एफएटीएफ के अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान इसको लेकर गलत जानकारी दे रहा है, असल में वो इसका इस्तेमाल बैलिस्टिक मिसाइलों के निर्माण में करने वाला है।एफएटीएफ ने अपनी रिपोर्ट में 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी, जिसमें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। एफएटीएफ की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि ऐसी हिंसा बिना आतंकी संगठनों को फंड जारी किए बगैर नहीं हो सकते हैं। आपको बता दें कि हमले के पीछे पाकिस्तान स्थिति आतंकवादी संगठन द रेसिस्टेंस फोर्स था, जिसने हमले के ठीक बाद आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। लेकिन बाद में पाकिस्तान के प्रेशर के बाद वो मुकर गया था। ये संगठन लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन है, जिसे पाकिस्तान के इशारे पर बनाया गया है। न्यूज-18 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत इस रिपोर्ट को अब पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल करने की योजना पर काम कर रहा है।भारत के शीर्ष अधिकारियों ने एफएटीएफ की वैश्विक नेटवर्क में शामिल करीब सभी 200 देशों को सारे दस्तावेज और इन सबूतों से अवगत कराया है, ताकि पाकिस्तान को फिर से ग्रे-लिस्ट में डलवाया जा सके । पाकिस्तान को अंतिम बार 2018 में एफएटीएफ की ग्रे-लिस्ट में रखा गया था और 2022 में उसे बाहर निकाला गया था। लेकिन इस साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद फिर से पाकिस्तान को ग्रे-लिस्ट में डालने की मांग तेजी से की जा रही है। पाकिस्तान को अगर फिर से ग्रे-लिस्ट में डाला जाता है तो उस IMF लोन मिलने से लेकर वर्ल्ड बैंक से ऋण मिलने में मुश्किल हो जाएगी। इसके अलावा विदेशी निवेशकों के लिए भी पाकिस्तान में निवेश करना और मुश्किल हो जाएगा। एफएटीएफ की फिर से इसी साल अक्टूबर में बैठक होने वाली है, जिसमें पाकिस्तान को लेकर फिर से फैसला लिया जा सकता है।

चीन में 12 दिनों तक क्या कर रहा था बांग्लादेश का पूर्व खुफिया चीफ, यूनुस राज में मौत की सजा से बचा, भारत के लिए समझें खतरा

ढाका। बांग्लादेश में चीन की बढ़ती गतिविधियों से भारत की चिंता

बढ़ गई है। हाल ही में बांग्लादेश पूर्व सैन्य खुफिया चीफ की चीन की 12 दिवसीय यात्रा ने नई दिल्ली को अलर्ट कर दिया है। मेजर जनरल रजाकुल हैदर चौधरी (रिटायर्ड) 6 जून को चीन के लिए रवाना हुए थे और 18 जून को ढाका लौट आए। सूत्रों के मुताबिक, चौधरी की यात्रा के दौरान यूनुस सरकार के एक वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी भी चीन पहुंचा था। रजाकुल हैदर चौधरी के संदिग्ध इतिहास को देखते हुए उनकी चीन यात्रा को गंभीरता से देखा जा रहा है।रजाकुल हैदर चौधरी बांग्लादेश के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस और नेशनल सिक्योरिटी इंटेलिजेंस, दोनों के महानिदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। उन्हें साल 2004 में चटगांव बंदरगाह के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत और बांग्लादेश में विद्रोही समूहों के लिए हथियारों की एक बड़ी खेप की तस्करी में शामिल होने के लिए अवामी लीग शासन के दौरान जेल में डाल दिया गया था।चटगांव में हथियार जब्त किए जाने के तीन महीने के भीतर 2004 में ही तत्कालीन विपक्षी नेता और बाद में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की हत्या के प्रयास के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी। ढाका में अवामी लीग की रैली पर ग्रेनेड हमले में 24 लोग मारे गए थे। इस हमले में शेख हसीना बच गई थीं। चौधरी को बांग्लादेश में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के आदमी के रूप में देखा जाता है। आईएसआई ने पूर्वोत्तर भारत में विद्रोही समूहों का समर्थन किया है।बांग्लादेश पुलिस ने साल 2004 में चटगांव में 10 ट्रक हथियार जब्त कि थे, जिनमें 4930 बंदूकें (ज्यादातर असॉल्ट राइफलें), 27000 ग्रेनेड, 840 रॉकेट लॉन्चर, 2000 ग्रेनेड लॉन्चिंग ट्यूब, 300 रॉकेट, 6392 मैगजीन और 11,40,520 राउंड गोलियां थीं। बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर एक जेटी पर जब दो जहाजों से ये खेप उतारी जा रही थी, उसी समय इसे जब्त कर लिया गया। इसमें अधिकांश हथियार चीनी कंपनी ने बनाए थे। इन हथियारों को उल्फा और पूर्वोत्तर भारत के अन्य विद्रोही समूहों के साथ-साथ जमात-उल-मुजाहिदीन जैसे इस्लामी आतंकवादी समूहों के लिए थे।चटगांव हथियार मामले में उल्फा के सैन्य प्रमुख परेश बरुआ को भी दोषी ठहराया गया और आजीवन कैद की सजा सुनाई गई। पिछले साल अगस्त में शेख हसीना के पतन के बाद आई मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने हथियार तस्करी के दोषी लोगों को रिहा कर दिया था। इस साल 16 जनवरी को बांग्लादेश हाई कोर्ट ने दोषी ठहराए गए छह लोगों को बरी कर दिया, जिनमें चौधरी और पूर्व गृह राज्य मंत्री लुत्फुर जमान बाबर शामिल थे। राज्य ने इस फैसले को चुनौती नहीं दी। हाई कोर्ट ने उल्फा नेता बरुआ समेत पांच अन्य लोगों की सजा भी कम कर दी। परेश बरुआ की सजा भी घटाकर 14 साल कर दी गई।वरिष्ठ पत्रकार सुबीर भौमिक ने इंडिया टुडे में लिखे एक लेख में बताया है कि भारतीय सुरक्षा हलकों में इन दोषियों के बरी किए जाने और कई इस्लामिक आतंकवादियों की रिहाई को लेकर चिंता है। उन्होंने एक अनाम भारतीय खुफिया अधिकारी के हवाले से बताया कि ये तत्व पाकिस्तान की आईएसआई के करीबी हैं और अब इनका इस्तेमाल भारत के पूर्वी राज्यों में गड़बड़ी फैलाने के लिए किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों मात खाने के बाद आईएसआई और पाकिस्तानी सेना बांग्लादेश में मौजूद अपने एसेट का इस्तेमाल पूर्वोत्तर में हिंसा बढ़ाने के लिए कर सकती हैं।

भारत को तीन तरफ से घेरने का चीन का प्लान, दो कट्टर दुश्मनों को लेकर आया एक साथ, दिल्ली के लिए खतरे की घंटी

बीजिंग। चीन ने भारत को तीन तरफ से घेरने के लिए अपनी योजना पर काम शुरू कर दिया है। बीजिंग ने पहली बार एक

त्रिपक्षीय बैठक की मेजबानी की है, जिसमें कभी कट्टर दुश्मन रहे दो देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश के प्रमुख प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। गुरुवार को आयोजित बैठक में चीन के उप विदेश मंत्री सन वेइदोंग, बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रूहुल आलम सिद्दीकी और पाकिस्तान के अतिरिक्त विदेश सचिव इमरान अहमद सिद्दीकी ने व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया। वहीं, पाकिस्तानी विदेश सचिव आमना बलूच वीडियो लिंक के माध्यम से चर्चा के पहले चरण में शामिल हुईं। चीन के कुनमिंग शहर में हुई इस बैठक ने भारत की चिंता बढ़ा दी है।चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि गुरुवार को आयोजित बैठक में विदेश सचिवों ने व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा और समुद्री मामलों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में त्रिपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया है कि तीनों देश बैठक के दौरान बनी सहमति का पालन करने और उसे लागू करने के लिए एक कार्यसमूह का गठन करेंगे। इसमें दावा किया गया कि चीन-पाकिस्तान-बांग्लादेश सहयोग सच्चे बहुपक्षवाद और मुक्त क्षेत्रवाद का पालन करता है और किसी तीसरे पक्ष पर लक्षित नहीं है।बैठक में वीडियो लिंक से बोलते हुए पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलूच ने त्रिपक्षीय बैठक के लिए चीन की तारीफ की। उन्होंने कहा, पाकिस्तान चीन और दक्षिण एशियाई देशों के बीच गहन जुड़ाव चाहता है। बलूच ने पाकिस्तान-चीन द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति का उल्लेख किया और कहा कि इस्लामाबाद कई क्षेत्रों में बांग्लादेश के साथ सहयोग बढ़ाने को तैयार है।बांग्लादेश में पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से पाकिस्तान ने तेजी से अपनी पैठ बनाई है। मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में पाकिस्तान ने ढाका के साथ रक्षा, व्यापार, कूटनीति और लोगों के बीच संपर्क समेत कई क्षेत्रों में ढाका के साथ सहयोग को बढ़ाया है। माना जाता है कि शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों में पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने अहम भूमिका निभाई है। इस बीच चीन ने भी आर्थिक साझेदारी के दम पर बांग्लादेश के अंतरिम प्रशासन में अपनी पैठ बना ली है।

अमेरिका ने रवाना किया ईरान का काल! व्हाइटमैन एयरबेस से बी2 परमाणु बॉम्बर्स ने भरी उड़ान, फोर्डो एटमी संयंत्र पर कभी भी हमला?

वॉशिंगटन। ईरान और इजरायल के बीच जारी जंग में बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट है कि अमेरिका ने

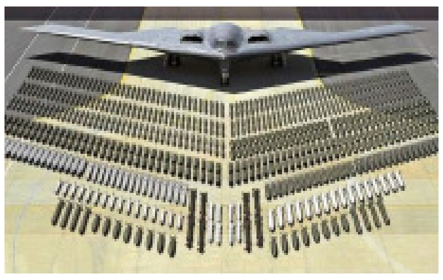

अपने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स को हिंद महासागर में स्थिति द्वीप डिएगो गार्सिया एयरबेस के लिए रवाना कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बी-2 बॉम्बर्स के साथ 8 एयरफोर्स टैंकर्स भी हैं, जो इसमें हवा में ईंधन भरने के लिए हैं। अमेरिका के मिसौरी स्थित व्हाइटमैन एयर फोर्स बेस से बी-2 स्पिरिट स्टेल्थ बॉम्बर्स ने उड़ान भरी है और वे हिंद महासागर में स्थित डिएगो गार्सिया एयरबेस की तरफ जा रहे हैं। इनके साथ आठ केसी-135 ईंधन भरने वाले टैंकर विमानों का दल भी रवाना हुआ है। यह मिशन सामान्य बॉम्बर रोटेशन से हटकर एक स्पेशल स्ट्रैटजिक संकेत देता है। माना जा रहा है कि ईरान का सबसे महत्वपूर्ण परमाणु स्थल फोर्डो, जो जमीन से करीब 90 मीटर नीचे है,

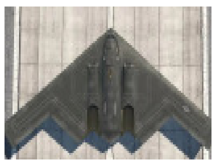

उसे तबाह करने के लिए बी-2 बॉम्बर को भेजा गया है।आपको बता दें कि फोर्डो यूरेनियम संवर्धन केंद्र, ईरान की सबसे सुरक्षित न्यूक्लियर स्थलों में से एक है। इसे ईरान का परमाणु किला भी कहा जाता है, जो एक पहाड़ी पर स्थित है। यह गहराई में बनी सुरंगों और चट्टानों के भीतर स्थित है, जिसे पारंपरिक बमों से तबाह करना लगभग असंभव है। कहा जाता है कि इसे सिर्फ अमेरिकी मैसिव ऑर्डिनेन्स पेनेट्रेटर (एमओपी) बम ही तबाह कर सकते हैं। वो भी सिर्फ एक बम नहीं, बल्कि कई बम गिराने होंगे, जिसे बी-2 बॉम्बर्स या बी-52 बॉम्बर्स से गिराया जा सकता है। बी-52 बॉम्बर्स में स्टील्थ क्षमता नहीं है, जिससे एक डर है कि ईरान उसे हवा में मार गिरा सकता है, जबकि बी-2 में स्टील्थ क्षमता है, जिसे ईरानी डिफेंस सिस्टम ट्रैक नहीं कर सकते हैं, इसीलिए बी-2 बॉम्बर को भेजे जाने की रिपोर्ट है।अमेरिका ने अगर बी-2 बॉम्बर्स को रवाना कर दिया है तो इसका मतलब है कि अमेरिका फोर्डो न्यूक्लियर सेंटर पर हमला करने

की योजना बना रहा है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमले की इजाजत दे चुके हैं, लेकिन अभी उन्होंने कुछ और ठहरने के लिए कहा हुआ है। बी-2 बॉम्बर न सिर्फ रडार से बच निकलने में सक्षम है, बल्कि यह 30,000 पाउंड वजनी एमओपी बम गिराकर सैकड़ों फीट अंदर छिपे लक्ष्यों को ध्वस्त कर सकता है। इसका डिजाइन इतना गुप्त और एडवांस है, कि यह दुश्मन की सतह से हवा में मार करने वाले एयर डिफेंस सिस्टम को चकमा दे सकता है। यह विमान अमेरिका की 'ग्लोबल स्ट्राइक कैपेबिलिटी' का सबसे अहम हिस्सा माना जाता है और इसे 'फर्स्ट स्ट्राइक' प्लेटफॉर्म के रूप में देखा जाता है।बी-2 स्पिरिट यूएस एयरफोर्स का सबसे एडवांस और घातक स्ट्रैटजिक बॉम्बर है, जिसे खास तौर पर गहरी मारक क्षमता और दुश्मन के वायु सुरक्षा घेरे को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है इसकी स्टेल्थ तकनीक, जो इसे रडार की पकड़ से बचा ले जाती है। यह विमान दुनिया के सबसे सुरक्षित ठिकानों को निशाना बनाने की क्षमता रखता है। बी-2 की अदृश्यता और उच्च-सटीकता इसे दुश्मन के कमांड सेंटर्स, न्यूक्लियर साइट्स और अन्य मजबूत ठिकानों पर हमला करने के लिए आदर्श बनाती है। इसमें मैसिव ऑर्डिनेन्स पेनेट्रेटरजैसे भारी बम ले जाने की क्षमता है, जिससे यह भूमिगत ठिकानों को भी तबाह कर सकता है। बी-2 की बिना ईंधन भरे उड़ान रेंज करीब 9,600 किलोमीट है, जिससे यह दुनिया के किसी भी हिस्से में गुपचुप पहुंचकर मिशन को अंजाम देने में सक्षम होता है। यही वजह है कि बी-2 को 21वीं सदी का सबसे घातक और भरोसेमंद रणनीतिक हथियार माना जाता है।आपको बता दें कि डिएगो गार्सिया, ब्रिटिश इंडियन ओशन टेरिटरी में स्थित एक सामरिक अमेरिकी सैन्य अड्डा है जो फारस की खाड़ी, पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया के बीच स्थित है। यहां से बी-2 जैसी लंबी दूरी की स्ट्रैटेजिक विमानों को बिना किसी ओवरफ्लाइट रेस्ट्रिक्शन के सीधे लक्ष्यों पर हमले के लिए भेजा जा सकता है। अमेरिका ने इराक, अफगानिस्तान और लीबिया जैसे अभियानों में इसी एयरबेस से हवाई हमले ऑपरेट किए हैं। 1990 के दशक के अंत में सेवा में शामिल हुए बी-2 का इस्तेमाल कोसोवो, अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में युद्ध अभियानों में किया गया है। लंबी दूरी, स्टेल्थ और पेलोड क्षमता की वजह से इसके लिए मिशनों को अंजाम देना काफी आसान हो जाता है। अमेरिकी रक्षा सूत्रों के मुताबिक बी-2 बॉम्बर्स की तैनाती अमेरिका की एक ग्लोबल स्ट्रैटजिक रीस्ट्रक्चर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसका मकसद इजराइल-ईरान संघर्ष की स्थिति में विकल्प तैयार रखना है। पेंटागन कई बार यह साफ कर चुका है कि बी-2 जैसे विमानों की तैनाती सहयोगियों को आश्वस्त करने और संभावित संघर्षों में लचीलापन प्रदान करने के लिए होती है। लेकिन डिएगो गार्सिया जैसी फारवर्ड लोकेशन पर तैनाती सिर्फ तभी की जाती है, जब मामला अत्यंत संवेदनशील हो।

ट्रंप की चाल से यूरोप भी अमेरिका के खिलाफ... फ्रांस ने एफ-35 के मुकाबले राफेल को उतारा, मैक्रों के ऑफर को मानेंगे जर्मनी, स्पेन?

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूरोप की रक्षा

के लिए राफेल लड़ाकू विमान को आगे बढ़ाया है। उन्होंने यूरोपीय देशों से यूरोपीय लड़ाकू विमानों पर अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने का आह्वान किया है। इसके लिए राफेल फाइटर जेट को उन्होंने पेश किया है। इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट की है। जिसमें उन्होंने राफेल लड़ाकू विमान को दिखाया है, जिसके कॉल बैनर पर लिखा था, 'हमारे यूरोप की सुरक्षा के लिए।' इस पोस्टर पर लिखा था 'राफेल बुला रहा है।' फ्रांसीसी राष्ट्रपति के इस पोस्ट का सीधा मतलब यही था कि अब यूरोप को अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका की तरफ देखने की जरूरत नहीं है, बल्कि यूरोप को अपनी आत्मरक्षा के लिए खुद आत्मनिर्भर होना चाहिए। हालांकि मैक्रों ने अपने इस पोस्ट में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन माना जा रहा है कि राफेल लड़ाकू विमान को वो अपने यूरोपीय सहयोगियों और नाटो देशों के बीच पहुंचाना चाहते हैं। फ्रांसीसी राष्ट्रपति लंबे वक्त से यूरोप की सामरिक स्वायत्तता की बात करते आए हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की आंतरिक राजनीति और ट्रंप की वापसी जैसे घटनाक्रम यूरोप के लिए सुरक्षा खतरा बन सकते हैं, अगर यूरोप पूरी तरह अमेरिकी हथियार प्रणालियों पर निर्भर रहता है। मार्च 2025 में उन्होंने कहा था था कि 'हमें उन देशों को यूरोपीय विकल्प देने होंगे जो अभी अमेरिकी रक्षा उपकरणों के अभ्यस्त हैं। इससे लागत घटेगी और यूरोप का एक आत्मनिर्भर रक्षा नेटवर्क बनेगा।' उन्होंने पिछले महीनों बार बार फ्रांसीसी परमाणु बमों को यूरोपीय देशों में तैनाती की भी बात कही है, जिसका जर्मनी के चांसलक फ्रेडरिक मर्ज ने समर्थन भी दिया है।

पड़ोसी हो तो ऐसा... ईरान में फंसे नेपाली और श्रीलंका के नागरिकों को भी सुरक्षित निकालेगा भारत

नयी दिल्ली। भारत ने शनिवार को घोषणा की कि वह दोनों पड़ोसी देशों के

औपचारिक अनुरोधों के बाद ईरान में अपने निकासी प्रयासों का विस्तार करके नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी इसमें शामिल करेगा। यह कदम मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। इजरायल ने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन राइजिंग लॉयन चला रखा है। इसका उद्देश्य ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाना है। वहीं, ईरान ने भी इसका जोरदार जवाब दिया है।तेहरान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नेपाल और श्रीलंका की सरकारों के अनुरोध के जवाब में, ईरान में भारतीय दूतावास के निकासी प्रयासों में नेपाल और श्रीलंका के नागरिक भी शामिल होंगे। दूतावास ने इमरजेंसी कॉन्टेक्ट नंबर भी जारी किए हैं। साथ ही नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को टेलीग्राम या इमरजेंसी लाइनों +989010144557, +989128109115, और +989128109109 के माध्यम से तत्काल संपर्क करने की सलाह दी है।ईरान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के कारण हाई रिस्क वाले क्षेत्रों में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए भारत ने ऑपरेशन सिंधु के तहत अपने निकासी अभियान शुरू किए हैं। शनिवार की सुबह, भारतीय नागरिकों को लेकर एक विशेष विमान तुर्कमेनिस्तान के अश्गाबात से दिल्ली पहुंचा। इसके बाद शुक्रवार देर रात एक और सफल निकासी हुई, जब तेहरान द्वारा अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोलने के बाद 290 भारतीय छात्र - मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर के - ईरान के मशहद से सुरक्षित वापस लौटे।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।